▪ भाद्रपद शुक्ल - 13 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 54 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 16-09-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 क्रिकेट को लेकर अश्विन के दिमाग और सोच का सम्मान करता हूं : ख्वाजा

6 बुढ़ापे में स्वास्थ्य सुरक्षा कवच बनाने की सराहनीय पहल

7 कश्मीर में लैला के नाम से मशहूर है तृप्ति डिमरी

फर्स्ट टेक

फ्रांस से 'इंग्लिश चैनल' पार करने की कोशिश में कई लोगों की मौत

पेरिस/एपी। उत्तरी फ्रांस से 'इंग्लिश चैनल' पार करने की असफल कोशिश के दौरान रविवार तड़के कई लोगों की मौत हो गई। फ्रांसीसी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 'पास-डी-कैलाइस' क्षेत्र की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, बचाव अभियान जारी है तथा त्रासदी में जीवित बचे लोगों को उत्तरी शहर एम्बलेट्यूज के खेल हॉल में ले जाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना रविवार तड़के हुई। इससे करीब दो सप्ताह पहले प्रवासियों को ले जा रही एक नौका 'इंग्लिश चैनल' में उस समय दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी जब वे उत्तरी फ्रांस से ब्रिटेन पहुंचने का प्रयास कर रहे थे। नौका में सवार दर्जनों लोग खतरनाक जलमार्ग में गिर गए थे और 13 लोगों की मौत हो गई थी।

'इंडिगो' की मुंबई-दोहा उड़ान में तकनीकी समस्या, चार घंटे तक विमान में इंतजार करते रहे यात्री

मुंबई/भाषा। मुंबई से दोहा जाने वाली 'इंडिगो' की एक उड़ान के यात्रियों को रविवार को विमान के अंदर चार घंटे से अधिक समय तक उसके रवाना होने इंतजार करना पड़ा क्योंकि तकनीकी समस्या के कारण उड़ान में देरी हुई। लगभग 18 घंटे की देरी के बाद विमान ने रात करीब पौने दस बजे मुंबई हवाई अड्डे से कतर की राजधानी के लिए उड़ान भरी। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इसे तड़के करीब चार बजे रवाना होना था। कुछ यात्रियों ने सोशल मीडिया पर शिकायत की कि उन्हें उड़ान में देरी के कारण काफी देर तक विमान में ही इंतजार करना पड़ा। एयरलाइन कंपनी 'इंडिगो' ने कहा कि मुंबई से दोहा के लिए उड़ान भरने वाली इसकी उड़ान संख्या- 6ई 1303 में तकनीकी कारणों से देरी हुई।

तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में तीन छात्र डूबे

तिरुनेलवेली/भाषा। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले के पलायमकोट्टई के बाहरी इलाके में स्थित मिशनरी संचालित एक स्कूल के तीन छात्र रविवार को यहां बाढ़ से बचाव के लिये बनायी गयी एक नवनिर्मित नहर में डूब गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक स्कूल के छात्र मुन्नीरपल्लम पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत थामिराबरनी-करूमेनियार-नांबियार नदी जोड़ो परियोजना के तहत बनी नहर में डूब गए। यहां अपने एक रिश्तेदार के गृह प्रवेश समारोह में शामिल होने आए तीनों छात्र नहाने के लिए पास की नहर में चले गए और डूब गए। इस घटना की सूचना मिलने पर अग्निशमन एवं बचाव सेवा कर्मियों ने तीनों छात्रों के शवों को बाहर निकाला।

सूर्यास्त 16-09-2024 6:09 बजे	सूर्योदय 17-09-2024 5:57 बजे
BSE 82,890.94 (-71.77)	NSE 25,356.50 (-32.40)
सोना 7,719 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 97,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जय गणेश

खुश है अपना कश्मीर आज,
घाटी का भी चप्पा-चप्पा।
भारत की संसद का उस पर,
पूरा है वैधानिक ठप्पा।
पाकिस्तानी कर रहे व्यर्थ,
रोना-धोना लप्पा-जप्पा।
इसको कर दो भारत का गण,
अरदास सुनो गणपति बप्पा।।

दो दिन बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दूंगा : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दो दिन बाद पद से इस्तीफा दे देने की रविवार को घोषणा की और जनता से ''ईमानदारी का प्रमाणपत्र'' मिलने तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठने का संकल्प लेते हुए दिल्ली में समय पूर्व चुनाव कराने की मांग की।

उनकी इस अप्रत्याशित घोषणा पर विभिन्न दलों की मिलीजुली प्रतिक्रिया आई। कुछ ने उनके कामकाज पर जमानत की शर्तों के कारण इसे विवशता बताया, तो अन्य ने जनता के बीच जाने के उनके निर्णय की सराहना की।

आबकारी नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में शुक्रवार को तिहाड़ जेल से जमानत पर रिहा हुए केजरीवाल ने कहा कि अगले कुछ दिन में वह आप के विधायकों की बैठक करेंगे और उनकी पार्टी के एक सहकर्मी को मुख्यमंत्री चुना जाएगा। आप के राष्ट्रीय संयोजक अपनी पत्नी सुनीता के साथ आप कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के लिए यहां पार्टी मुख्यालय पहुंचे थे। केजरीवाल ने कहा कि वह मुख्यमंत्री और मनीष सिसोदिया उपमुख्यमंत्री तभी बनेंगे, ''जब लोग कहेंगे कि हम ईमानदार हैं।''

भाजपा ने बताया पीआर हथकंडा

केजरीवाल के इस्तीफे की घोषणा को लेकर उनकी आलोचना करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा,आप के राष्ट्रीय संयोजक की घोषणा उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाने की योजना का एक हिस्सा है... अरविंद केजरीवाल ने आपदा में अवसर तलाशने में पीएचडी की है। पूनावाला ने केजरीवाल के इस कदम को पीआर एक्सरसाइज (चर्चा में रहने का हथकंडा) और ड्रामा (नाटक) करार दिया। उन्होंने कहा, वह इस्तीफे का नाटक इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि अदालत ने उन्हें (आबकारी नीति 'घोटाला') मामले में बरी नहीं किया, बल्कि उन्हें सशर्त जमानत दी है, जिससे वह मुख्यमंत्री से नाममात्र के मंत्री बन गए हैं।

नर्स बेहतर सेवा के लिए स्थानीय भाषा को सिखें : वित्तमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कांचीपुरम(तमिलनाडु)/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नर्सिंग को पेशे के रूप में अपनाने के इच्छुक विद्यार्थियों से रविवार को अपील की कि उन्हें जहां भी सेवा का अवसर मिले, वहां की स्थानीय भाषा सीखें।

सीतारमण ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर भारतीय नर्स की भारी मांग है और किसी भी देश की भाषा सीखने से लाभ मिलेगा। उन्होंने दूसरे देशों में भारतीय नर्स को कितना महत्व दिया जाता है इसका विवरण देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सिंगापुर में अपने समकक्ष के साथ बैठक से पहले अपनी वहां की यात्रा को याद किया।

सीतारमण ने यहां शंकर कॉलेज ऑफ नर्सिंग (महिला) का उद्घाटन करने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री की यात्रा से पहले करीब चार कैबिनेट मंत्री वहां गए थे और सिंगापुर के प्रधानमंत्री के साथ हमारी बातचीत के दौरान यह स्पष्ट रूप से दिखाई दिया कि भारतीय चिकित्सा, नर्स और फिजियोथेरेपिस्ट को कितना महत्व दिया जाता है।'' उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार चिकित्सा क्षेत्र को महत्व दे रही है और अधिक से अधिक युवाओं को नर्सिंग की पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

सीतारमण ने कहा कि भारत से लगभग 800 नर्स फिर चाहे वे तमिलनाडु की हों या असम की, पिछले दो-तीन साल में सेवा करने के लिए सिंगापुर गई हैं। उन्होंने कहा, ''यह केवल सिंगापुर तक ही सीमित नहीं है। यह (भारतीय नर्सिंग पेशेवरों की आवश्यकता) जापान, यूरोप में भी देखी जाती है और इन देशों में बुजुर्गों की संख्या अधिक होने के कारण, वहां भारतीय नर्स और उन लोगों की आवश्यकता है जो घर पर उनकी देखभाल कर सकें।''

मोदी ने 32,000 पीएमएवाई-जी लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र जारी किए

रांची/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के तहत 32,000 लाभार्थियों को रविवार को डिजिटल माध्यम से स्वीकृति पत्र वितरित किए और मकानों के निर्माण के लिए 32 करोड़ रुपए की पहली किस्त जारी की। उन्होंने देशभर में पीएमएवाई-जी के 46,000 लाभार्थियों को डिजिटल माध्यम से चाबियां भी सौंपीं। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, ''सभी के लिए आवास मुहैया कराने की प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री ने झारखंड के 32,000 प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए। उन्होंने लाभार्थियों को सहायता की पहली किस्त जारी की। प्रधानमंत्री ने 46,000 लाभार्थियों के 'गृह प्रवेश' समारोह में भी भाग लिया।'' केंद्र ने पीएमएवाई-जी योजना के तहत झारखंड में गरीबों के लिए 1,13,400 मकानों को मंजूरी दी है। मोदी ने रांची से लाभार्थियों को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि पीएमएवाई-जी की पहली किस्त जारी कर दी गई है और योजना के तहत हजारों मकान भी सौंपे गए हैं।

बांग्लादेशियों, रोहिंग्याओं की घुसपैठ झारखंड के लिए बड़ा खतरा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमशेदपुर (झारखंड)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को झारखंड में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाले गठबंधन पर वोट बैंक की राजनीति के लिए बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की घुसपैठ को संरक्षण देने का आरोप लगाया। मोदी ने कहा कि पड़ोसी देश से आने वाले घुसपैठिए झारखंड के लिए बड़ा खतरा हैं, क्योंकि उनकी वजह से राज्य के संथाल परगना और कोल्हान क्षेत्रों की जनसांख्यिकी बदल रही है।

प्रधानमंत्री ने यहां गोपाल मैदान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'परिवर्तन महारैली' को संबोधित करते हुए कहा, बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिये

संथाल परगना और कोल्हान क्षेत्रों के लिए बड़ा खतरा बन गए हैं। इन क्षेत्रों की जनसांख्यिकी तेजी से बदल रही है। आदिवासी आबादी घट रही है। घुसपैठिये पंचायत प्रणाली पर नियंत्रण स्थापित कर रहे हैं, जमीन हड़प रहे हैं, राज्य की बेटियों पर अत्याचार कर रहे हैं...हर झारखंडवासी असुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि झामुमो घुसपैठियों का समर्थन कर रही है और तथ्य यह है कि पड़ोसी देश से आए अवैध प्रवासी राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी पर प्रभाव स्थापित करने में कामयाब हो गए हैं।

मोदी ने राज्य में बांग्लादेशी प्रवासियों की घुसपैठ की जांच के लिए एक स्वतंत्र समिति स्थापित करने के उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद घुसपैठ को स्वीकार करने से इनकार करने के लिए झारखंड सरकार की आलोचना की।

मोदी ने झामुमो, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस को ''झारखंड का सबसे बड़ा दुश्मन'' करार देते हुए कहा कि ये पार्टियां ''सत्ता की भूखी'' हैं और ''वोट बैंक की राजनीति में लिप्त'' हैं।

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि राजद अब भी झारखंड के निर्माण का बदला ले रहा है, जबकि कांग्रेस राज्य से नफरत करती है और आदिवासियों को मुख्यधारा में आने से रोकती है। मोदी ने कहा, आदिवासी वोटों के जरिये सत्ता में आई झामुमो उन ताकतों का साथ दे रही है जो आदिवासियों की जमीन और जंगलों पर कब्जा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि झामुमो दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों की कीमत पर वोट बैंक की राजनीति कर रही है।

प्रधानमंत्री ने रांची में छह वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रांची में रविवार को डिजिटल माध्यम से झारखंड, ओडिशा, बिहार और उत्तर प्रदेश के लिए छह वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री का टाटानगर से इन ट्रेन को हरी झंडी दिखाने का कार्यक्रम था लेकिन कम दृश्यता और खराब मौसम की वजह से उनका हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका।

आरजी कर अस्पताल

पूर्व प्राचार्य, ताला थाना प्रभारी 17 तक सीबीआई की हिरासत में

कोलकाता/भाषा। आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष और ताला थाना प्रभारी अभिजीत मंडल को कोलकाता की एक अदालत ने रविवार को 17 सितंबर तक केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की हिरासत में भेज दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। घोष और मंडल दोनों को इस सरकारी अस्पताल में एक महिला चिकित्सक के साथ बलात्कार और हत्या के सिलसिले में केंद्रीय एजेंसी ने यहां एक अदालत में पेश किया। अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''हमें 17 सितंबर तक तीन दिन के लिए उनकी हिरासत मिली है। अब दोनों से एक साथ पूछताछ की जाएगी। दोनों ने आरजी कर मामले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।'' मामले की जांच कर रही सीबीआई ने शनिवार शाम मंडल को गिरफ्तार किया था और घोष के खिलाफ सबूतों से छेड़छाड़ का आरोप भी जोड़ा था। घोष फिलहाल आरजी कर अस्पताल से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। अधिकारी के अनुसार, मंडल पर सबूतों से छेड़छाड़, प्राथमिकी दर्ज करने में देरी और अन्य संबंधित अपराध करने के भी आरोप हैं।

हिंदू धर्म सबके कल्याण की कामना करने वाला विश्व धर्म : मोहन भागवत

हिंदू का मतलब विश्व का सबसे उदारतम मानव, जो सब स्वीकार करता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने हिंदू धर्म को सबके कल्याण की कामना करने वाला विश्व धर्म बताते हुए रविवार को कहा कि हिंदू का मतलब विश्व का सबसे उदारतम मानव... जो सब कुछ स्वीकार करता है। इसके साथ ही उन्होंने स्वयंसेवकों से सामाजिक समरसता के माध्यम से बदलाव लाने का आह्वान करते हुए कहा कि हमें छुआछूत के भाव को पूरी तरह मिटा देना है।

डॉ. भागवत अलवर के इन्दिरा गांधी खेल मैदान में स्वयंसेवकों के एकत्रीकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''हमारे राष्ट्र को समर्थ करना है। हमने प्रार्थना में ही कहा है कि यह हिंदू राष्ट्र है क्योंकि हिंदू समाज इसका उत्तरदायी है। इस राष्ट्र का अच्छा होता है तो हिंदू समाज की कीर्ति बढ़ती है। इस राष्ट्र में कुछ गड़बड़ होता है तो इसका दोष हिंदू समाज

पर आता है क्योंकि वे ही इस देश के कर्ताधर्ता हैं।'' उन्होंने कहा कि राष्ट्र को परम वैभव संपन्न और सामर्थ्यवान बनाने का काम पुरुषार्थ के साथ करने की आवश्यकता है और हमें समर्थ बनना है, जिसके लिए पूरे समाज को योग्य बनाना पड़ेगा। उन्होंने कहा, ''जिसे हम हिंदू धर्म कहते हैं यह वास्तव में मानव धर्म है, विश्व धर्म है और सबके कल्याण की कामना लेकर चलता है। हिंदू का मतलब विश्व का सबसे उदारतम मानव, जो सब कुछ स्वीकार करता है, सबके प्रति सद्भावना रखता है। पराक्रमी पूर्वजों का वंशज है जो विद्या का उपयोग विवाद पैदा करने के लिए नहीं करता, ज्ञान देने के लिए करता है।'' उन्होंने कहा कि हिंदू धन का उपयोग मदमस्त होने के लिए नहीं करता, दान के लिए करता है और शक्ति का उपयोग दुर्बलों की रक्षा के लिए करता है। उन्होंने कहा, ''यह जिसका शील है, यह जिसकी संस्कृति है वह हिंदू है। चाहे वह पूजा किसी की भी करता हो, भाषा कोई भी बोलते हो, किसी भी जात-पात में जन्मा हो, किसी भी प्रांत का रहने वाला हो, कोई भी खानपान रीति रिवाज को मानता हो। ये मूल्य और संस्कृति जिनकी है, वह सब हिंदू हैं।''

तरक्की की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है भारत : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि भारत अब ''सुषुप्त अवस्था'' में नहीं रहा बल्कि देश अब तरक्की की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

धनखड़ ने यहां रामदेवबाबा विश्वविद्यालय में एक डिजिटल टॉवर का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा सेवा है, व्यापार नहीं। उन्होंने कहा, ''गुणवत्तापूर्ण शिक्षा लोकतंत्र को परिभाषित करती है और आपको जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है

वह विकास को परिभाषित करती है और यह 2047 तक पूर्ण विकसित राष्ट्र बनने संबंधी हमारे लक्ष्य को तेजी से आगे बढ़ाएगी।

अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता सुशासन का एक साधन है।

धनखड़ ने कहा कि देश अब तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसकी तरक्की को रोका नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक उन्नति तेजी से हुई है और वैश्विक संस्थाओं के अनुसार, देश निवेश और अवसरों के लिए एक पसंदीदा स्थान है। उन्होंने कहा, ''भ्रष्टाचार हमारे समाज को खा रहा था। भ्रष्टाचार के बिना कोई नौकरी नहीं मिलती थी, कोई ठेका नहीं मिलता था और कोई अवसर नहीं मिलता था। सत्ता के गलियारे भ्रष्टाचार से ग्रस्त थे और यह युवा लड़कों और लड़कियों के लिए बहुत निराशाजनक था।''

धनखड़ ने कहा कि सत्ता के गलियारों से बिचौलियों को हमेशा के लिए हटा दिया गया है। उन्होंने कहा, ''अब सत्ता के गलियारों को इन भ्रष्ट तत्वों से मुक्त कर दिया गया है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा सेवा है, व्यापार नहीं। उन्होंने विश्वविद्यालय में छात्रों से कहा कि एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र मौजूद है जहां युवा अपनी क्षमता और प्रतिभा का इस्तेमाल कर सकते हैं।

मंदिर और मूर्तियां हैं सभ्यता के प्राचीन आविष्कार : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

पांच मंदिरों की पूजा परिक्रमा के लिए निकला पैदल यात्रा संघ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका से रविवार को पांच मंदिरों की परिक्रमा के रूप में पूजायात्रा का विशाल आयोजन आचार्यश्री विमलसागरसूरीजी की निश्रा में हुआ। चैत्यपरिपाटी की इस धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरजी ने कहा कि माध्यमों के बिना मनुष्य का मन भटक जाता है। जैनशास्त्रों में मंदिरों, मूर्तियों, यंत्रों को आलंबन कहा गया है। आलंबन यानी सहारा, माध्यम। जनसामान्य का धार्मिक आध्यात्मिक विकास माध्यमों के आधार पर ही संभव होता है। यह भारतीय संस्कृति और मूर्तिपूजक परंपरा का गौरव है कि आज देश-विदेश में हजारों वर्ष प्राचीन मंदिरों और मूर्तियों की ऐतिहासिक विरासत मौजूद है, जो लाखों-करोड़ों लोगों को भक्ति से भावित करती हैं। मूर्तिपूजा की ये परंपराएं ही पृथ्वी पर मौजूद सबसे प्राचीन धर्म मान्यताएं हैं। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मंदिर और मूर्तियां मानवीय सभ्यता के खोजे हुए बहुत पुराने आविष्कार हैं। इनसे मनुष्य की धार्मिक-आध्यात्मिक साधना को बहुत बल मिला है। ये निराकार परमात्मा की साधना का साकार स्वरूप है। भारतीय हिन्दू, जैन और बौद्ध परंपरा में मंदिरों और मूर्तियों के लिये लोगों का इतना योगदान रहा है कि उनके लिये ग्रंथ के ग्रंथ लिखे जा सकते हैं। वैसे मूर्तिपूजा मनुष्य जाति के लिये एक ठोस, सार्थक, तार्किक आलंबन हैं।

मनुष्य की धर्मश्रद्धा इनसे परिपुष्ठ बनती हैं। अमूर्तिपूजक भी शत प्रतिशत अमूर्तिपूजक नहीं हैं। वे सब मूर्तिपूजा का चाहे जितना विरोध करें, सच्चाई यह हैं कि भगवान की मूर्तियों के बजाय वे अपने आराध्यों के प्रतीकों, चिन्हों, समाधियों, स्तूपों, स्थलों को बहुत श्रद्धा भक्ति से मानते आये हैं। आतितायियों के आक्रमणों के बीच मंदिरों और मूर्तियों ने ही भारतीय संस्कृति और उसकी इन तीनों धर्म परंपराओं को जिंदा रखा।

कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि पूजा के वस्त्र परिधान में पूजन की सामग्री के साथ तीन तीन की कतारों में सात सौ उपासक इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। शिक्षक भवन से पार्श्व वाटिका, आदिश्वर वाटिका, सुविधिनाथ और सुमतिनाथ जिनालयों की परिक्रमा करते हुए श्राद्धालुओं ने मंत्रोच्चार पूर्वक जलाभिषेक, चंदन पूजा, पुष्पांजलि, चैत्यवंदना आदि विधि-विधान किए गए। नृत्यों की भावप्रद प्रस्तुति दी। अनेक बालक बालिकाओं ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में ऐतिहासिक चरित्रों का प्रस्तुतिकरण किया। इस अवसर पर गणिपद्मविमल सागरजी ने कहा कि रिसोर्ट, होटल, मॉल और सिनेमा घर कितने ही बन जाएं, वे मानवजाति का कल्याण नहीं करेंगे। मंदिर ही मन की शांति और जीवन के कल्याण का मार्ग प्रस्तुत करेंगे।

प्राचीन काल से ही लोकतांत्रिक मूल्यों से परिपूर्ण है भारतीय सभ्यता-संस्कृति : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर/भाषा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि भारतीय सभ्यता और संस्कृति प्राचीन काल से ही लोकतांत्रिक मूल्यों से परिपूर्ण रही है।

योगी ने रविवार को गोरक्षापीठ के ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 55वीं और ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ जी महाराज की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में समसामयिक विषयों के सम्मेलनों की शृंखला के पहले दिन 'लोकतंत्र की जननी है भारत' विषयक सम्मेलन में अपने अध्यक्षीय संबोधन में यह बात कही। उन्होंने कहा, ''दुनिया में जब सभ्यता, संस्कृति और मानवीय मूल्यों के प्रति आग्रह नहीं था तब भारत में सभ्यता, संस्कृति और मानवीय जीवन मूल्य चरम पर थे।''

एक आधिकारिक बयान के अनुसार योगी ने कहा, '' भारतीय सभ्यता और संस्कृति प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक लोकतांत्रिक मूल्यों से परिपूर्ण रही है। इसका उद्देश्य किसी का हरण करना या किसी पर जबरन शासन करना नहीं था बल्कि इसकी भावना 'सर्वे भवंतु सुखिनः' की रही है।'' उन्होंने कहा, ''इसका नया स्वरूप आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ सबका विकास' के संकल्प में दिखता है।''

योगी ने कहा, ''हमारी ऋषि परंपरा जीयो और जीने दो की रही है क्योंकि यही सच्चा लोकतंत्र है और इस मूल्यपरक लोकतंत्र को किसी और ने नहीं बल्कि भारत ने दिया है।'' मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सम्मेलन के मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह का अभिनंदन करते हुए कहा कि लोकतंत्र के बारे में वैदिक कालखंड से लेकर रामायणकालीन और महाभारत कालीन अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में कुछ लोगों पर गुलामी की मानसिकता आज भी हावी है, जबकि भारत में लोकतंत्र की जड़ें प्राचीन समय से ही गहरी रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारा लोकतंत्र तभी तक सुरक्षित है जब तक हमारा संविधान सुरक्षित है। संविधान को पवित्र भावना से जाति, मत, मजहब, क्षेत्र से ऊपर उठकर इसे सुरक्षित-संरक्षित रखने का दायित्व सभी लोगों को उठाना होगा।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम संविधान को सर्वोच्च सम्मान देते हुए आगे बढ़ेंगे तो हमारा लोकतंत्र और मजबूत-पुष्ट होगा।''

सम्मेलन के मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने कहा कि ''लोकतंत्र के संस्कार पांच हजार वर्ष पुराने भारतीय मूल्यों से गढ़े गए हैं। सही मायने में भारतीय मूल्यों और संस्कारों से ही लोकतंत्र चल रहा है।'' सिंह ने कहा कि ''खुलकर अपनी बात रखना ही लोकतंत्र का यथार्थ है और यह मूल्य भारत की हजारों वर्षों की परंपरा में निहित रहा है।'' राज्यसभा के उप सभापति ने कहा, '' भारतीय लोकतंत्र में जनता को हर प्रकार की आजादी के साथ खामी को भी ठीक करने की गुंजाइश है।'' उन्होंने कहा, ''अंग्रेजी मूल्यों से प्रभावित लोगों ने ही भारतीय लोकतंत्र को आयातित समझने की भूल की है। इस भूल का कारण यह रहा कि भारतीय लोकतंत्र को यूनान की नजर से देखने की आदत डाली गई।'' उन्होंने कहा, ''भारत को आजादी मिलने के बाद कई विदेशी विद्वानों ने कहा था कि भारत में लोकतंत्र टिकेगा नहीं और आज उसका जवाब यह है कि अगले साल हम संविधान लागू होने का अमृत वर्ष मनाने जा रहे हैं।''

हरिवंश ने कहा, ''आज भारत अपने को लोकतंत्र की जननी के वास्तविक नजरिये से दुनिया के सामने पेश कर रहा है।

सेवा व सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कपड़ा व्यापारी मनोहरमल फूलचन्द श्रीश्रीमाल परिवार ने अपनी पुत्री चन्द्रादेवी की 14वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में अपने पैतृक गाँव बासडा धनजी व अमरसर में विभिन्न सरकारी स्कूलों के 260 बच्चों को बिस्कुट पैकेट व स्कूल बैग वितरित किए। इस मौके पर अमरसर गाँव में श्री वासुपूज्यस्वामीजी के मन्दिर में धार्मिक पूजा का आयोजन व भगवान की अंगरचना की गई। इसके अलावा कोरमंगला गौशाला में पशु पक्षियों को चारा व दाना उपलब्ध कराया।

दिल्ली में फर्जी वीजा बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, सात लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा

दिल्ली पुलिस ने रविवार को कहा कि उसने पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर इलाके में फर्जी वीजा बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर सात लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मुख्य आरोपी के घर से भारी मात्रा में फर्जी वीजा बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण और 14 नेपाली तथा दो भारतीय पासपोर्ट जब्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान तिलक नगर निवासी मुख्य आरोपी मनोज मोंगा (51), शिवा गौतम (42), नवीन राणा (25), बलबीर सिंह (65), जसविंदर सिंह (55), आसिफ अली (27) और एक यात्री संदीप के रूप में हुई है।

पुलिस उपायुक्त (इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) उषा रंगनानी ने बताया कि दो सितंबर की रात हरियाणा निवासी संदीप भारतीय पासपोर्ट के साथ इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रस्थान आव्रजन काउंटर पर पहुंचा था।

रंगनानी ने बताया कि वह इटली के रोम जाने की फिराक में था, लेकिन उसके दस्तावेजों की जांच के दौरान उसके पासपोर्ट पर स्वीडन का फर्जी वीजा लगा पाया गया जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि बाद में इस सिलसिले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई।

पुलिस ने बताया कि विदेश जाने की चाहत रखने वाले संदीप ने ट्रैवल एजेंट आसिफ अली से संपर्क किया था। अली ने 10 लाख रुपए के बदले संदीप को यूरोपीय देश भेजने की बात कही। इसने कहा कि संदीप ने एजेंट के दो बैंक खातों में सात लाख रुपए और 50,000 रुपए नकद जमा कराए।

रंगनानी ने कहा कि अली और उसके साथियों नवीन राणा तथा शिवा गौतम ने संदीप की रोम यात्रा के लिए टिकट और स्वीडन के वीजा का इंतजाम किया।

एनएमसी ने पोर्टल पर डॉक्टरों का पंजीकरण शुरू किया, सभी डॉक्टरों को मिलेगी विशिष्ट पहचान संख्या

नई दिल्ली/भाषा

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने हाल में शुरू किए गए पोर्टल पर भारत में प्रैक्टिस करने के पात्र सभी एमबीबीएस डॉक्टरों के पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस कवायद के तहत सभी डॉक्टरों को एक विशिष्ट पहचान संख्या मिलेगी। नेशनल मेडिकल रजिस्टर रजिस्टर (एनएमआर) एक डेटाबेस है, जिसमें केंद्रीयकृत रूप से सभी पंजीकृत डॉक्टरों की जानकारी दर्ज होगी और उनकी प्रामाणिकता आधार आईडी द्वारा सत्यापित की जाएगी। एनएमसी के सचिव डॉ. बी. श्रीनिवास ने कहा, एनएमआर तत्काल प्रभाव से पंजीकृत मेडिकल प्रैक्टिनर्स (आरएमपी) के पंजीकरण के लिए तैयार है।

एनएमसी ने हाल में एक सार्वजनिक नोटिस में कहा कि भारतीय चिकित्सा रजिस्टर (आईएमआर) पर पंजीकृत सभी एमबीबीएस डॉक्टरों को एनएमआर पर फिर से पंजीकरण कराना होगा। इसने कहा कि सभी मेडिकल कॉलेज/संस्थान, राज्य चिकित्सा परिषद (एसएमसी) पोर्टल पर आपस में जुड़े हुए हैं।

नोटिस में कहा गया है कि कुछ डेटा आम जनता देख सकेगी, जबकि अन्य जानकारियां सिर्फ एनएमसी के एथिक्स एंड मेडिकल रजिस्ट्रेशन बोर्ड (ईएमआरबी), एसएमसी, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) और आरएमपी को जरूरत पड़ने पर ही देख पाएंगी।

पंजीकरण प्रक्रिया शुरू करने के लिए, डॉक्टरों को अपना आधार कार्ड, एमबीबीएस डिग्री प्रमाण पत्र की डिजिटल प्रति और उस राज्य चिकित्सा परिषद/भारतीय चिकित्सा परिषद के पंजीकरण प्रमाण पत्र की आवश्यकता होगी, जहां डॉक्टर ने पहली बार पंजीकरण कराया था।

पंजीकरण और योग्यता संबंधी विवरण खुद दर्ज किए जा सकते हैं तथा पोर्टल के माध्यम से जमा किए जा सकते हैं।

इसके बाद, आवेदन सत्यापन के लिए संबंधित एसएमसी को भेजा जाएगा। एसएमसी फिर आवेदन को आगे की समीक्षा के लिए संबंधित कॉलेज या संस्थान को भेजेगा। सफल सत्यापन के बाद, आवेदन एनएमसी को भेजा जाएगा।

एनएमसी द्वारा सत्यापन के बाद, एक विशिष्ट एनएमआर आईडी जारी की जाएगी। नोटिस में कहा गया है कि इस प्रक्रिया के दौरान, डॉक्टर स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता पंजी में शामिल होने का विकल्प चुन सकते हैं, जो उन्हें व्यापक डिजिटल स्वास्थ्य देखभाल 'इकोसिस्टम' से जोड़ेगा।

एक अधिकारी ने पहले बताया था, आज तक, ऐसे व्यापक डेटा की कमी थी, जो देश में कुल डॉक्टरों की संख्या, देश छोड़कर चले गए डॉक्टरों, प्रैक्टिस करने का लाइसेंस खो चुके डॉक्टरों या जान गंवाने वाले डॉक्टरों की संख्या और विवरण जैसे पहलुओं की विस्तृत और समग्र तस्वीर पेश कर सके। एनएमआर के शुरू होने से 13 लाख से ज़्यादा डॉक्टरों का डेटा उपलब्ध हो सकेगा।

जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के नेता का भाई सहित अन्य लोग भाजपा में शामिल

जम्मू/भाषा

जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला के भाई समेत कई लोग रविवार को यहां भाजपा में शामिल हो गए। केंद्र में सत्तारूढ़ दल के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, जम्मू-कश्मीर भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष सत शर्मा और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भल्ला के भाई विनोद के साथ-साथ पूर्व ब्लॉक विकास परिषद के अध्यक्ष दिलीप कुमार और कई पूर्व पंचों और सरपंचों का पार्टी में स्वागत किया।

रेड्डी ने इस अवसर पर कहा, ''भाजपा में इन नेताओं के शामिल होने से पार्टी को मजबूती मिलेगी क्योंकि अधिकांश नए सदस्य आर एस पुरा-जम्मू दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से हैं, जहां से कांग्रेस ने भल्ला को मैदान में उतारा है।'' उन्होंने मतदाताओं से ''जम्मू एवं कश्मीर को बचाने'' के लिए भाजपा का समर्थन करने का आग्रह किया।

जम्मू-कश्मीर में भाजपा के चुनाव प्रभारी रेड्डी ने कहा कि उनकी पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता का मुख्य कारण इसका विकासात्मक दृष्टिकोण और समाज के वंचित वर्गों के साथ न्याय सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, ''भाजपा उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है, जबकि अन्य दल जम्मू-कश्मीर को फिर से अंधकार में धकेलना चाहते हैं।''

अटल सेतु के नजदीक नई सड़क बनने से मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के यातायात में आएगी 50 प्रतिशत कमी : गडकरी

पुणे/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि समुद्र पर बने अटल सेतु के नजदीक प्रस्तावित 14 लेन की सड़क बनने से मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर मौजूदा यातायात में 50 प्रतिशत की कमी आएगी। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित सड़क एक रिंग रोड के माध्यम से पुणे को जोड़ेगी।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री अभियंता दिवस के अवसर पर सीओईपी टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित पूर्व छात्र समारोह में मुंबई-बेंगलूरु के लिए सड़क योजनाओं के बारे में बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा,''मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर यातायात का भारी दबाव है। अटल सेतु के पास 14 लेन की सड़क बनाई जाएगी तो यह सड़क मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर यातायात को 50 प्रतिशत तक कम कर देगी। यह सड़क आगे रिंग रोड के माध्यम से पुणे और फिर बेंगलूरु से जुड़ेगी।''

अटल सेतु देश में समुद्र पर बना सबसे लंबा पुल है और यह मुंबई के शिवड़ी को नवी मुंबई से जोड़ता है।

गडकरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर है और अगले 25 वर्षों में सभी वाहन जीवाश्म ईंधन से नहीं बल्कि बिजली से चलेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''हमारी तकनीक किफायती होनी चाहिए। हम सड़क बनाने के लिए कचरे का इस्तेमाल कर सकते हैं।

गुरुग्राम में साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

गुरुग्राम/भाषा। हरियाणा के गुरुग्राम में पुलिस ने 'क्रेडिट कार्ड' की सीमा बढ़ाने के नाम पर धोखाधड़ी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि दोनों मुख्य रूप से बिहार में सक्रिय थे।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि लोगों को क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने का झांसा देकर धोखा देने के अलावा आरोपी मोबाइल टावर लगवाने, गैस एजेंसी, पेट्रोल पंप, पतंजलि की दुकान खुलवाने आदि के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में शामिल थे।

पुलिस के अनुसार बिहार के नवादा और नालंदा के क्रमश: कुंदन पटेल और रंजीत कुमार को बुधवार को उद्योग विहार इलाके से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने के नाम पर पांच अलग-अलग धोखाधड़ी करने की बात कबूल की।

सहायक पुलिस आयुक्त (साइबर) प्रियांशु दीवान ने कहा, हमने कुंदन पटेल को शहर की अदालत में पेश करने के बाद हिरासत में ले लिया है।

दीवान ने बताया कि पुलिस हिरासत के दौरान पटेल ने खुलासा किया कि वे नवादा, नालंदा, शेखपुरा शहर, वारिसअलीगंज और बिहार शरीफ शहर के आसपास के गांवों में धोखाधड़ी करते रहे हैं। उन्होंने कहा, जांच जारी है और हम इनके अन्य साथियों को पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों के पास से कुछ जाली दस्तावेज भी बरामद हुए हैं।

भारत एक प्राथमिकता वाला बाजार, रील्स, कारोबारी संदेश से तेज हो रही है वृद्धिः मेटा इंडिया

नई दिल्ली/भाषा। सोशल मीडिया क्षेत्र की दिग्गज कंपनी मेटा के लिए भारत वैश्विक स्तर पर उसके प्रमुख प्राथमिकता वाले बाजारों में एक है। मेटा इंडिया की उपाध्यक्ष संध्या देवनाथन ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि रील्स से लेकर कारोबारी संदेश तक कंपनी की पेशकश की बढ़ती लोकप्रियता और एआई टूल्स की वजह से वृद्धि को गति मिल रही है।

देवनाथन ने पीटीआई-भाषा को एक साक्षात्कार में बताया कि इंस्टाग्राम पर छोटी अवधि की वीडियो रील्स को देखने में भारत अग्रणी बाजार है। फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा इस बात से उत्साहित है कि रील्स ने क्रिएटर्स और ब्रांड, दोनों के बीच तेजी से लोकप्रियता हासिल की है।

देवनाथन ने कहा, ''रील्स वैश्विक स्तर पर मेटा के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन निश्चित रूप से भारत में मेटा के लिए यह बहुत खास है।'' उन्होंने कहा कि खरीद निर्णयों को प्रभावित करने में रील्स की ताकत को पहचानते हुए, ब्रांड इसे अपने प्रचार अभियान और ग्राहकों तक पहुंचने की योजनाओं में शामिल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी के मंच पर इस माध्यम का उपभोग बढ़ रहा है और साथ ही ब्रांड तथा निर्माता अपनी पहुंच को बढ़ाने के लिए इसका उपयोग कर रहे हैं।

देवनाथन ने कहा कि भारत मेटा एआई को अपनाने वाला सबसे बड़ा देश भी है, और कंपनी यहां इसके उपयोग से उत्साहित है। उन्होंने भारत को वैश्विक स्तर पर मेटा के लिए प्रमुख प्राथमिकता वाले बाजारों में से एक बताते हुए कहा कि कंपनी यहां की संभावनाओं को लेकर बहुत उत्साहित है और देश में दोगुना निवेश करना जारी रखे हुए है। भारतीय बाजार के लिए मेटा का भरोसा कई कारकों से है। मुख्य रूप से इसकी वजह भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेज वृद्धि हासिल करने के लिए तैयार है और आगामी वर्षों में यह 7,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था होगी जहां काफी अवसर होंगे।

सेना से भागा व्यक्ति गिरफ्तार, 12 किलोग्राम से अधिक हेरोइन बरामदः पंजाब पुलिस

चंडीगढ़/भाषा

पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को कहा कि पुलिस ने सेना से भागे एक व्यक्ति के पास से 12 किलोग्राम से अधिक हेरोइन जब्त करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। यादव ने कहा कि अमृतपाल सिंह उर्फ फौजी पाकिस्तान से संबद्ध हेरोइन तस्करी रैकेट का एक बड़ा सदस्य है।

तरनतारन के कासेल गांव का निवासी फौजी अगस्त 2024 से फरार था, जब 33 किलोग्राम हेरोइन की बरामदगी के बाद उसके साथी सरताज को जम्मू बस स्टैंड से गिरफ्तार किया गया था।

यादव ने कहा कि इस गिरोह का जाल अन्य देशों में फैला है और इसकी अगुवाई तरनतारन के मियांपुर गांव का अमृतपाल सिंह बाथ कर रहा है जो फिलहाल दुबई से इस गिरोह को संचालित कर रहा है।

पुलिस महानिदेशक ने कहा कि विश्वसनीय खुफिया सूचना पर पंजाब पुलिस की 'काउंटर इंटेलीजेंस (जालंधर)' ने जालंधर के कांगलीवाल गांव में नहर के पुल पर एक विशेष नाका लगाया और 200 ग्राम हेरोइन जब्त कर फौजी को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि आरोपी की निशानदेही तथा और जांच करने पर तरनतारन से जोधपुर जाने वाली सड़क (लिंक रोड) पर एक स्थान से 12.4 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई।

बांग्लादेश की टीम चेन्नई पहुंची, भारत के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन का भरोसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पाकिस्तान में टेस्ट श्रृंखला में 2-0 की सफलता के बाद आत्मविश्वास से भरी बांग्लादेश की टीम दो टेस्ट मैचों और तीन टी20 मैचों के लिए रविवार को भारत पहुंची, जहां कप्तान नजमुल हसन शंटो ने आने वाले सप्ताह में टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जतायी। बांग्लादेश की टीम 19 सितंबर से शुरू होने वाले शुरुआती टेस्ट के लिए रविवार दोपहर को चेन्नई पहुंची।

ढाका से चेन्नई के लिए उड़ान भरने से पहले शंटो ने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा यह निश्चित रूप से हमारे लिए एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण श्रृंखला होगी।'' उन्होंने कहा, एक अच्छी श्रृंखला (बनाम पाकिस्तान) के बाद निश्चित रूप से टीम और देश के लोगों का आत्मविश्वास बढ़ा है। प्रत्येक श्रृंखला एक अवसर है। हम दोनों मैच जीतने के लिए खेलेंगे।

भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में शीर्ष पर है लेकिन बांग्लादेश के कप्तान का मानना है कि मैच का प्रदर्शन रैंकिंग पर निर्भर नहीं होता और यह सब इस बात पर निर्भर करेगा कि उनकी टीम उन पांच दिनों के दौरान कैसा प्रदर्शन करती है। शंटो ने कहा, ''रैंकिंग में उनकी टीम हमसे काफी आगे है लेकिन हमने हाल ही में अच्छा प्रदर्शन किया है। हमारी श्रृंखला अच्छी रही है। हमारा लक्ष्य पांच दिनों तक अच्छा खेलना होगा।'' बांग्लादेश की टीम को इस दौरे के लिए पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराई जा रही है।

बांग्लादेश टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय टीमों के लिए होने वाला सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू था। टीम की बस के साथ होटल तक दो पुलिस वैन मौजूद थी। होटल पहुंचने पर खिलाड़ियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया और कर्मचारियों ने उन पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाईं।

पूरी टीम होटल की एक मंजिल पर रहेगी और प्रोटोकॉल के तहत वहां सशस्त्र सुरक्षाकर्मी मौजूद रहेंगे। बांग्लादेश पिछले महीने अशांति के दौर से गुजरा है। आरक्षण के विरोध में छात्रों का प्रदर्शन काफी हिंसक हो गया था जिसके कारण पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद के साथ देश छोड़ना पड़ा था। देश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं पर हमलों के साथ सांप्रदायिक झड़पों खबरें अब भी आ रही है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को देश में उनके तीन सप्ताह के प्रवास के दौरान पर्याप्त सुरक्षा मुहैया करने का आश्वासन दिया है। बांग्लादेश सोमवार से अभ्यास शुरू करेगा।

उत्तराखंड में फंसे तमिलनाडु के श्रद्धालुओं को निकाला गया

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने रविवार को कहा कि भूस्खलन के कारण उत्तराखंड के तवाघाट में फंसे राज्य के 30 श्रद्धालुओं को निकाल लिया गया है और वे जल्द ही वापस आ जाएंगे। यहां एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने राज्य के कुड्डालोर जिले के रहने वाले इन लोगों से बात की और उन्हें सुरक्षित वापस लाने के लिए सभी कदम उठाने का आश्वासन दिया। वे आदि कैलाश जा रहे थे। कुड्डालोर जिला प्रशासन ने उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में अधिकारियों के साथ समन्वय किया और अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया कि फंसे हुए तमिल लोग सुरक्षित हैं, उन्हें भोजन और पानी उपलब्ध कराया गया है और उन्हें वहां एक शिविर में ठहराया गया है। श्रद्धालुओं को रविवार को हवाई मार्ग से निकाला गया और धारचूला ले जाया गया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि वे वहां एक . दो दिन रुकेंगे और फिर दिल्ली होते हुए तमिलनाडु जाएंगे।

पारंपरिक तरीके से ओणम उत्सव मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरलवासियों ने रविवार को राज्य में हर बार की तरह पूरे हर्षोल्लास के साथ ओणम फसल उत्सव मनाया। दस दिवसीय उत्सव के सबसे शुभ कहे जाने वाले दिन थिरुवोनम' के मौके पर लोगों ने पारंपरिक कासवु' साड़ी और मुंडू' (धोती) पहनी और सुबह के समय गांवों व कस्बों में मंदिरों के दर्शन किए। सरकार पहले ही घोषणा कर चुकी है कि वायनाड में हाल में हुए विनाशकारी भूस्खलन के कारण कोई आधिकारिक ओणम उत्सव नहीं मनाया जाएगा। हालांकि, राज्य में हमेशा की तरह पारंपरिक उत्सव मनाया गया, जिसमें युवाओं और बच्चों ने अपने घरों को रंग-बिरंगे कालीन बिछाकर सजाया और बुजुर्गों ने परिवार के अन्य सदस्यों को 'ओनाक्कोडी' (नए कपड़े) भेंट किए। इस दौरान पारंपरिक झूले 'ऊंजल' ने भी कई घरों के आंगनों की शोभा बढ़ाई। परिवार के सदस्यों ने विभिन्न शाकाहारी व्यंजनों और स्वादिष्ट मिठाई 'पायसम' से युक्त एक शानदार 'ओनासद्या' (भोज) तैयार किया। गौरवशाली अतीत की यादों को ताजा करते हुए, स्थानीय क्लबों के तत्वावधान में वडमवली (रस्साकशी) और उरियाडी' (बर्तन तोड़ना) जैसे पारंपरिक खेल और 'पुलिककली', 'थिरुवथिरा', 'थेय्यम' जैसी कला गतिविधियों का आयोजन किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने दुनिया भर के मलयाली लोगों को ओणम की शुभकामनाएं दीं।

वायनाड के भूस्खलन प्रभावित गांवों में इस साल नहीं मनाया गया ओणम उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। केरल के वायनाड जिले के इन गांवों में पिछले साल तक लोग ओणम के मौके पर जाति और धर्म के बंधन से परे जाकर घरों में फूलों की कालीन (पूकलम) बिछाते थे, झूले (ऊंजल) डालते थे और साथ में 'वदमावली' व 'उरियाडी' जैसे पारंपरिक खेल खेलते थे। वे 'तिरुवोणम' का जश्न मनाने के लिए गांव के मंदिर और स्कूल के मैदान में एकत्र होते थे। लेकिन आज तिरुवोणम' के पावन अवसर पर वायनाड के मुंडक्कई और चूरलमाला में 'पूकलम', 'ऊंजल' या उत्सव का कोई अन्य प्रतीक नजर नहीं आता। वायनाड में 30 जुलाई को बड़े पैमाने पर हुई भूस्खलन की घटनाओं से इन गांवों में भारी तबाही मची थी। चूरलमाला और मुंडक्कई के ज्यादातर मूल निवासी अब आसपास के इलाकों में किराये के मकानों में या अपने रिश्तेदारों के घरों में रहने को मजबूर हैं।

मेप्पडी में किराये के एक छोटे से मकान में रह रहे विजयन की आंखों से उस वक्त आंसू छलक पड़ते हैं, जब मुंडक्कई में पिछले साल तक मनाया गया ओणम उत्सव उसे याद आता है। वह कहता है, मैं ओणम उत्सव के दौरान महसूस होने वाली खुशी को शब्दों में बयां नहीं कर सकता। पिछले साल भी, हम सभी इस अवसर पर अपने परिवारों के साथ मुंडक्कई के मंदिर में एकत्र हुए थे। न केवल मुंडक्कई के परिवार, बल्कि चूरलमाला के लोग भी हमारे गांव में आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत करते थे।

विजयन के मुताबिक, इस साल ओणम पर हमारे पास पूकलम' बिछाने या दावत तैयार करने के लिए कोई घर या गांव नहीं है... हमने सब कुछ गंवा दिया है... सब कुछ...। एक अन्य व्यक्ति ने ओणम के अवसर पर चूरलमाला के स्कूल के मैदान में 'वदमावली' और 'उरियाडी' जैसे पारंपरिक खेल खेलने की खुशनुमा यादें ताजा कीं। उसने कहा, हमें जाति और धर्म के भेद के बारे में नहीं पता था। हम एकजुटता के साथ रहते थे और सारे त्योहार मिलजुलकर मनाते थे। चूरलमाला निवासी इस व्यक्ति ने कहा कि गांव के लोगों के लिए खुशियों का मतलब दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ त्योहार मनाना था। उसने कहा, लेकिन आज उनमें से ज्यादातर लोग हमारे साथ नहीं हैं। इसलिए कोई भी त्योहार मनाने का क्या मतलब है?

केरल सरकार ने पहले ही घोषणा की है कि वायनाड में हाल में हुए विनाशकारी भूस्खलन के कारण कोई आधिकारिक ओणम उत्सव नहीं होगा। जिले में घटी त्रासदी को याद करते हुए मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने शनिवार को अपने ओणम संदेश में कहा था कि राज्य सरकार अभी घरों के पुनर्निर्माण, रोजगार के साधन सृजित करने और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से गतिशील बनाने के प्रमुख अभियान में जुटी हुई है। विजयन ने लोगों से मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष (सीएमडीआरएफ) में योगदान देकर भूस्खलन से तबाह हुए क्षेत्रों के पुनर्निर्माण में मदद करने का आग्रह किया था।

वायनाड के मुंडक्कई और चूरलमाला सहित कई गांव 30 जुलाई को भारी बारिश के बाद बड़े पैमाने पर हुई भूस्खलन की घटनाओं की चपेट में आ गए थे, जिससे 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और सैकड़ों अन्य घायल हुए थे।

'अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस' के अवसर पर 2500 किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला बनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक ने रविवार को 'अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस' के अवसर पर समानता, एकता, बंधुत्व और सहभागितापूर्ण शासन के प्रतीक के रूप में 2,500 किलोमीटर लंबी 'ऐतिहासिक' मानव श्रृंखला बनाई। कर्नाटक सरकार के अनुसार, यह विश्व की सबसे लंबी' मानव श्रृंखला होगी, जो पूरे राज्य में बीदर से चामराजनगर तक बनाई गई, जिसमें सभी 31 जिले शामिल थे। राज्य सरकार ने नागरिक संस्थाओं के सहयोग से इस दिवस को मनाने के लिए बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित किया है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों के साथ यहां राज्य विधानमंडल और सचिवालय विधान सौध के सामने आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मानव श्रृंखला में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने संविधान की प्रस्तावना पढ़ने का नेतृत्व किया। इसके साथ ही ट्रांसजेंडर और दिव्यांगों सहित विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने हाथ पकड़कर मानव श्रृंखला बनाई। इसी तरह के कार्यक्रम राज्य के सभी जिलों में आयोजित किये गये जिनमें मंत्रियों, जन प्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

अधिकारियों ने बताया कि इस अभिनव और विशाल आयोजन के लिए लंदन से एक विश्व रिकॉर्ड सत्यापन टीम आएगी। उन्होंने बताया कि मानव श्रृंखला लगभग 2,500 किलोमीटर लंबी है और इसे विश्व के इतिहास में सबसे लंबी 'मानव श्रृंखला' बताया जा रहा है। इस आयोजन के दौरान, प्रतिभागियों ने बड़ी संख्या में पौधे भी लगाए। अधिकारियों के मुताबिक, मानव श्रृंखला में हिस्सा लेने वालों को प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। पिछले साल सरकार ने अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस' कार्यक्रम के तहत संविधान की प्रस्तावना पढ़ने का एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया था। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2007 में हर साल 15 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की गई, जिसे विश्व स्तर पर मनाया जाता है।

सिद्दरामय्या ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज को बांटने की कोशिश करने वाली ताकतों के प्रति आगाह किया और कहा कि किसी भी कीमत पर इन विभाजनकारी ताकतों को मजबूत नहीं होने दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं लोकतंत्र समर्थकों और राज्य तथा देश की जनता से अनुरोध करता हूं कि वे विभाजनकारी ताकतों को नष्ट करने की दिशा में काम करें, क्योंकि विभाजनकारी ताकतें लोकतंत्र को उखाड़ फेंकने और संविधान को निष्क्रिय करने की कोशिश कर रही हैं। ये विभाजनकारी ताकतें बहुलवाद, सामाजिक न्याय और समानता के खिलाफ हैं, वे नहीं चाहते कि गरीब आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत हों। मुख्यमंत्री ने रेखांकित किया कि उनकी सरकार की गारंटी योजनाओं से समाज के सभी वर्गों, विशेषकर महिलाओं को लाभ मिल रहा है। उन्होंने विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अन्न भाग्य (मुफ्त चावल) योजना के लिए केंद्र सरकार को श्रेय देने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया, ''केंद्र को कर कौन देता है, क्या यह कर्नाटक सहित राज्यों के लोगों का पैसा नहीं है? वह पैसा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या नड्डा (भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा) का नहीं है।''

उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने न्यूयॉर्क स्काई-डेक 'द एज' का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो बेंगलूरु में स्काई-डेक बनाने की योजना बना रहे हैं, ने अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क में एक स्काई-डेक का दौरा किया। उन्होंने स्काई-डेक 'द एज' का दौरा किया और इसकी वास्तुकला, डिजाइन और अन्य पहलुओं का निरीक्षण किया। उनके साथ उनकी पत्नी उषा भी थीं। उन्होंने हडसन याड्‌र्स में एक इमारत की 100वीं मंजिल पर स्थित 7500 वर्ग फीट के स्काई डेक से न्यूयॉर्क शहर का विहंगम दृश्य देखा। स्काई डेक पूरी तरह से फर्श से छत तक कांच से बना है और न्यूयॉर्क शहर का 360 डिग्री का खूबसूरत नजारा पेश करता है।

उपमुख्यमंत्री ने बेंगलूरु में प्रस्तावित स्काई-डेक के बारे में जाने-माने आर्किटेक्ट डॉ. बाबू किलारा से भी बातचीत की। द एज के अलावा उपमुख्यमंत्री और आर्किटेक्ट ने शहर में कई स्काई स्क्रेपर्स का दौरा किया।

उपमुख्यमंत्री ने वैश्विक डिजाइन फर्म एचओके के आर्किटेक्ट केनेथ ड्रकर के साथ भी चर्चा की। केनेथ ने न्यूयॉर्क शहर में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, चीन में शंघाई टॉवर, दुबई में बुर्ज खलीफा और अन्य वास्तुशिल्प चमत्कारों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा, यदि आधुनिक प्रौद्योगिकी को मजबूत विचारों के साथ जोड़ दिया जाए, तो स्काई डेक बेंगलूरु के क्षितिज को एक नई परिभाषा दे सकता है और साथ ही शहरी विकास की गुणवत्ता में भी सुधार कर सकता है।

संविधान हमारे देश के लिए महत्वपूर्ण है : सलीम अहमद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के मौके पर रविवार को बेंगलूरु में कांग्रेस पार्टी ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कांग्रेस एमएलसी सलीम अहमद ने कहा, ''हमने युवाओं को शिक्षित करने और प्रेरित करने के लिए संविधान के महत्व पर जोर दिया है।'' उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि संविधान हमारे देश के लिए महत्वपूर्ण है।

यह विश्व स्तर पर सबसे अच्छे संविधानों में से एक है, जो महान मूल्यों को दर्शाता है। हमने 2500 किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला बनाकर अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाया है। यह आयोजन लोकतंत्र और संविधान के महत्व को दर्शाने और युवाओं में जागरूकता फैलाने के लिए है।

मलप्पुरम जिले में निपाह वायरस संक्रमण के कारण एक व्यक्ति की मौत : केरल की स्वास्थ्य मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम। केरल के मलप्पुरम जिले के एक निजी अस्पताल में हाल में 24 वर्षीय व्यक्ति की निपाह वायरस संक्रमण से मौत हो गई। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने रविवार को यह जानकारी दी। जॉर्ज ने कहा कि क्षेत्रीय चिकित्सा अधिकारी द्वारा मौत के कारणों की जांच करने पर निपाह संक्रमण का संदेह हुआ।

मंत्री ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''उपलब्ध नमूनों को तुरंत परीक्षण के लिए भेजा गया और परिणाम में संक्रमण की पुष्टि हुई।'' बेंगलूरु से राज्य पहुंचे मलप्पुरम निवासी की नौ सितंबर को मृत्यु हो गई, जिसके बाद उसके उपलब्ध नमूनों को कोझिकोड मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजा गया था।मलप्पुरम के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि कोझिकोड मेडिकल कॉलेज के नतीजों में संक्रमण पाया गया, जिसके बाद शनिवार रात को ही स्वास्थ्य मंत्री ने एक उच्च स्तरीय बैठक की और प्रोटोकॉल के अनुसार आवश्यक कदम उठाए। इस बीच, रविवार को पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) के नतीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई।

मंत्री ने कहा कि शनिवार रात को ही 16 समितियां बनाई गईं और संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए 151 लोगों की सूची भी बनाई गई। उन्होंने कहा कि व्यक्ति अपने दोस्तों के साथ विभिन्न स्थानों की यात्रा कर चुका था और उसके करीबी संपर्क में आए लोगों को पृथकवास में रखा गया है। जॉर्ज ने कहा, पृथकवास में रखे गए पांच लोगों में हल्का बुखार और लक्षण पाए गए हैं। उनके नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। निपाह संक्रमण का इलाज करा रहे मलप्पुरम के एक लड़के की 21 जुलाई को मौत हो गई थी। यह इस साल राज्य में निपाह संक्रमण का पहला पुष्ट मामला था।

कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच नई वंदे भारत ट्रेन का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/हुब्बल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विभिन्न रेल अवसंरचना परियोजनाओं की आधारशिला रखी और गुजरात से 6 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों और देश की पहली वंदे मेट्रो को हरी झंडी दिखाई।

पुणे-एसएसएस हुब्बल्ली और कोल्हापुर-पुणे के बीच नई वंदे भारत ट्रेन सेवाएं कर्नाटक और महाराष्ट्र दोनों के लिए रेल संपर्क में महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक हैं। पुणे-कोल्हापुर वंदे भारत एक्सप्रेस महाराष्ट्र के लिए 11वीं वंदे भारत ट्रेन है, जबकि पुणे-एसएसएस हुब्बल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस कर्नाटक के लिए 10वीं ट्रेन है। रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना बेलगावी रेलवे स्टेशन पर पुणे-एसएसएस हुब्बल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के स्वागत समारोह में शामिल हुए। पुणे-एसएसएस हुब्बल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस अपनी उच्च गति और यात्री सुविधा के लिए मशहूर है यह सेवा उत्तर कर्नाटक के प्रमुख औद्योगिक और वाणिज्यिक केंद्र हुब्बल्ली-धारवाड़ को पुणे से जोड़ती है और बेलगावी के समृद्ध कृषि गन्ना क्षेत्र से होकर एक सुंदर मार्ग से गुजरती है। उन्नत वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों में 530 यात्रियों की बैठने की क्षमता वाली 8 कोच की चेयर कार संरचना है। अत्याधुनिक सस्पेंशन सिस्टम सहित अत्याधुनिक तकनीक के साथ, यात्री एक सहज, तेज और अधिक आरामदायक यात्रा का आनंद ले सकते हैं।

पुणे-एसएसएस हुब्बल्ली वंदे भारत ट्रेन कई प्रमुख स्थानों से होकर गुजरेगी, जिसमें बेलगावी, जो अपने प्रतिष्ठित चिकित्सा और इंजीनियरिंग संस्थानों के लिए जाना जाता है, मिराज, जो अपने शास्त्रीय संगीत वाद्ययंत्रों के लिए प्रसिद्ध है, और सांगली, जो अपनी कृषि उपज के लिए प्रसिद्ध है। यात्री रास्ते में सतारा की प्राकृतिक सुंदरता भी देखेंगे। इन नई वंदे भारत सेवाओं का उद्देश्य स्थानीय किसानों, व्यापारियों, छात्रों और व्यावसायिक पेशेवरों के लिए कनेक्टिविटी बढ़ाकर आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यात्रा के समय को कम करके और आराम में सुधार करके, इन ट्रेनों से यात्रियों को महत्वपूर्ण सुविधा मिलने की उम्मीद है, जबकि महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच आर्थिक संबंध मजबूत होंगे।

18 सितम्बर से ट्रेन संख्या 20669 एसएसएस हुब्बल्ली-पुणे वंदे भारत एक्सप्रेस सप्ताह में तीन दिन प्रत्येक बुधवार, शुक्रवार और रविवार को चलेगी, हुब्बल्ली से सुबह 05.00 बजे रवाना होगी और उसी दिन दोपहर 13.30 बजे पुणे पहुंचेगी वहीं19 सितम्बर से ट्रेन संख्या 20670 पुणे-एसएसएस हुब्बल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस सप्ताह में तीन दिन प्रत्येक गुरुवार, शनिवार और सोमवार को चलेगी, पुणे से 14.15 बजे रवाना होगी।

खादर ने राज्यपाल बागड़े से की मुलाकात

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे से रविवार को यहां कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यूटी खादर ने मुलाकात की। बागडे से खादर ने राजभवन में यह मुलाकात की जो उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। इस दौरान राज्यपाल से उन्होंने विभिन्न संवैधानिक मुद्दों पर संवाद किया।

हमें सम्पूर्ण हिंदू समाज को संगठित करना है: भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक मोहन भागवत ने स्वयंसेवकों का आह्वान किया है कि हमें सम्पूर्ण हिंदू समाज को संगठित करना हैं। भागवत ने रविवार को राजस्थान के अलवर के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित एकत्रीकरण समारोह में स्वयंसेवकों को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमारा धर्म जिसे हम हिंदू धर्म कहते हैं, वास्तव में मानव धर्म है, विश्व धर्म है। यह सबके कल्याण की कामना लेकर चलता है। हालांकि हमने विदेशी आक्रांताओं मुगल और अंग्रेजों के आक्रमणों का हर बार प्रतिकार किया है। इस राष्ट्र में कुछ गड़बड़ होता है तो हिंदू समाज पर आता है क्योंकि वही इस देश का कर्ताधर्ता पालनहार है।

भागवत ने कहा कि हिंदू मतलब विश्व का सबसे उदारतम मानव,जो सब कुछ स्वीकार करता है, सबके प्रति सद्भावना रखता है। पराक्रमी पूर्वजों का वंशज है। जो विद्या का उपयोग विवाद पैदा करने के लिए नहीं, ज्ञान देने के लिए करता है। धन का उपयोग मदमस्त होने के लिए नहीं, दान के लिए करता है और शक्ति का उपयोग दुर्बलों की रक्षा के लिए करता है। उन्होंने कहा कि हिंदू पूजा किसी की भी करते हों, भाषा कोई भी बोलते हों, किसी भी जात-पात में जन्म हों, किसी भी प्रांत के निवासी हों और कोई भी खानपान रीति रिवाज को मानते हों। ये मूल्य जिनके हैं, यह संस्कृति जिनकी है, वे सब हिंदू हैं।

भागवत ने स्वयंसेवकों से कहा कि हमारी स्थिति ऐसी है, उसके लिए इधर-उधर दोष देने की अपेक्षा हमें अपनी कुछ कमियों को ठीक करना है। पहले संघ को कोई जानता नहीं था। अब अब सब जानते हैं। पहले कोई मानता नहीं था, संघ को अब सब लोग मानते हैं। जो हमारा विरोध करने वाले लोग हैं वे भी हमारा होठों से तो विरोध करते हैं, लेकिन मन से तो मानते ही हैं। इसलिए अब हम एक काम कर सकते हैं। अपने पवित्र हिंदू धर्म, हिंदू संस्कृति और हिंदू समाज का संरक्षण, हिंदू राष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति हमको करनी है। शताब्दी तक हर बस्ती में एक शाखा लगे ऐसे हम अपने कार्य का विस्तार करेंगे। उन्होंने पांच मुद्दों का जिक्र करते हुए कहा कि इन्हें समाज में लागू करना है तो पहले अपने जीवन में लागू करना चाहिए।

राजस्थान में 17 से 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में 17 सितंबर से 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार रात राज्य सरकार के आगामी कार्यक्रमों की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में यह घोषणा की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर 10 वर्षों से पूरे देश में स्वच्छता अभियान निरंतर जारी है। उन्होंने स्वायत्त शासन विभाग एवं पंचायतीराज विभाग को निर्देश दिया कि राज्य में 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान व्यापक स्तर पर संचालित किया जाए।

भारी बारिश का दौर थमा

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में भारी बारिश का दौर थम गया है और बीते चौबीस घंटे में एक-दो जगह हल्की बारिश हुई। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक के 24 घंटों में पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं पर मेघ गर्जन के साथ हल्की वर्षा हुई वहीं पश्चिमी राजस्थान में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा। इस दौरान सर्वाधिक बारिश कुंवारिया (राजसमंद) में सात मिलीमीटर दर्ज की गई है। मौसम केंद्र के अनुसार राज्य में अगले दो-तीन दिन मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।

सड़क दुर्घटना में छह तीर्थयात्रियों की मौत

कोटा/दक्षिण भारत। राजस्थान के बूंदी जिले में रविवार तड़के एक तेज रफ्तार ट्रक ने एक वैन को टक्कर मार दी जिससे छह तीर्थयात्रियों की मौत हो गई जबकि तीन घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मध्य प्रदेश के देवास जिले के नौ तीर्थयात्री राजस्थान के सीकर स्थित खाटू श्याम मंदिर में दर्शन करने के लिए जा रहे थे तभी बूंदी में सुबह करीब पांच बजे यह दुर्घटना हुई। उसने बताया कि मृतकों की पहचान मदन नायक, मांगीलाल नायक, महेश नायक, राजेश और पूनम के रूप में की गई है। इनकी उम्र 16 से 40 वर्ष के बीच थी। पुलिस ने बताया कि एक शव की शिनाख्त अभी नहीं हो पाई है। हिंडोली थाने के क्षेत्राधिकारी पवन मीना ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ट्रक गलत दिशा से आ रहा था और उसने तीर्थयात्रियों की वैन को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी गई है।

भागवत ने अलवर में पौधारोपण किया

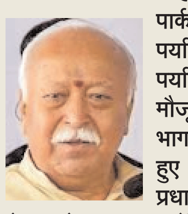

जयपुर/दक्षिण भारत। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने रविवार को अलवर के मातृ वन पार्क में पौधारोपण किया। भागवत के साथ केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव , राजस्थान के पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा तथा अन्य लोग भी मौजूद थे। अलवर से सांसद यादव ने बताया कि भागवत मातृ वन में पौधारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए और पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर अलवर में हरियाली बढ़ाने के लिए मातृ वन विकसित किया जा रहा है। इससे पहले भागवत ने अलवर के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आरएसएस के स्वयंसेवकों को संबोधित किया। वह शुक्रवार को यहां आए थे और 17 सितंबर तक अलवर में रहेंगे।

पांच साल में सरकारी एवं निजी क्षेत्र में सृजित होंगे 10 लाख रोजगार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि होनहार प्रतिभाएं अपनी मेहनत और लगन से समाज एवं देश का नाम रोशन करती हैं। उनका सम्मान करने से उन्हें प्रोत्साहन मिलता है तथा अन्य लोग भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं। शर्मा रविवार को जयपुर की बस्सी तहसील स्थित बेनाड़ा धाम में अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा जयपुर की ओर से आयोजित सामूहिक गोठ एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रगति के लिए यह आवश्यक है कि हम जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर जरूरतमंद लोगों की मदद करें और उन्हें आगे बढ़ाएं। शर्मा ने कहा कि आपसी भाईचारे की भावना और सर्व समाज को साथ लेकर चलने से ही हम विकसित राजस्थान का संकल्प साकार कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मजबूत एवं समृद्ध समाज की नींव शिक्षा पर टिकी है इसलिए राज्य सरकार युवाओं को आगे बढ़ने के लिए भरपूर अवसर उपलब्ध करवा रही है। 8वीं, 10वीं तथा 12वीं कक्षा में मैरिट में आने वाले मेधावी विद्यार्थियों को 3 साल तक की इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ टेबलेट निःशुल्क दिए जा रहे हैं। 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए प्रतिष्ठित कम्पनियों के माध्यम से कॉर्पोरेट सर्टिफिकेशन प्रोग्राम संचालित करने के लिए प्रदेश के सभी संभागों में राजस्थान फिनिशिंग स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में बिजनेस इनोवेशन प्रोग्राम चलाया जाएगा। राज्य में 20 नए आईटीआई और 10 पॉलीटेक्नीक कॉलेज खोले जाएंगे। स्वामी विवेकानन्द स्कॉलरशिप फॉर अकेडमिक एक्सीलेंस योजना के तहत विद्यार्थियों की देश-विदेश में उच्च शिक्षा का खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि कौशल विकास के लिए स्टेट स्किल पॉलिसी बनाकर 2 साल में लगभग 1.5 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। अटल इनोवेशन स्टूडियो की स्थापना से रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 5 साल में सरकारी एवं निजी क्षेत्र में 10 लाख रोजगार उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभिभावकों का यह दायित्व है कि वे अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाकर कला, विज्ञान, खेल और तकनीकी जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ाएं, साथ ही उन्हें बुजुर्गों की सेवा करने के संस्कार भी दें। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए सपनों की उड़ान भरने के लिए संभावनाओं का आसमान खुला है। उन्हें अपनी लगन और मेहनत से अपने लक्ष्यों को हासिल करना चाहिए। शर्मा ने कहा कि महान ऋषि हारित ने कृषि के महत्व को समझा और हमें सिखाया कि खेती रोजी-रोटी कमाने का जरिया ही नहीं है, बल्कि यह एक पुनीत कार्य है। उन्होंने कहा कि मैं भी खेती-किसानी से जुड़ा हुआ हूं।

कृषक विपरीत परिस्थितियों में भी कठोर परिश्रम से अन्न उगाकर लोगों का पेट भरता है और हमें जीवन में चुनौतियों से संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा जयपुर के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधीचन्द शर्मा तथा प्रदेशाध्यक्ष रामनारायण कांजला सहित महासभा के विभिन्न पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

भारत युवा शक्ति से बनेगा विश्व का सबसे विकसित राष्ट्र : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने लोकतंत्र में संवाद को सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा है कि भारत युवा शक्ति से विश्व का सबसे विकसित राष्ट्र बनेगा। बागडे रविवार को इंदिरागांधी इंस्टीट्यूट के सभागार में भारतीय युवा संसद के कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संवाद से निर्णय संभव होते हैं, सहमति बनती है और लोकतंत्र सुदृढ़ होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतंत्र विश्वभर में सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं है बल्कि यह संवाद से लोक कल्याणकारी निर्णय लेने वाला भी सबसे बड़ा राष्ट्र है।

उन्होंने भारत को विश्व का सबसे बड़ा युवा देश बताते हुए कहा कि युवा शक्ति से ही भारत भविष्य का सबसे विकसित राष्ट्र बनेगा। उन्होंने युवाओं को विकसित भारत 2047 के लिए जुटने का आह्वान करते हुए कहा कि भविष्य के विकास रथ के सारथी वही रहेंगे। उन्होंने कहा कि संवाद से सुस्वाद होता है और सुस्वाद से मैत्री होती है। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग शक्ति और साहस का पुंज होता है। आजादी से पहले पूरे नब्बे साल तक युवाओं ने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया। अनंत कांहेरी, खुदीराम बोस आदि युवा थे। तभी से अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष प्रारंभ कर दिया था।

उन्होंने युवाओं की शक्ति, दूसरे विश्व युद्ध और ब्रिटिश संसद में लोकशाही चुनाव कानून पारित करने की चर्चा करते हुए कहा कि युवा भागीदारी ने देश की आजादी में महती भूमिका निभाई। उन्होंने युवाओं को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलते हुए राष्ट्र विकास के नए आयाम स्थापित किए जाने, अर्थव्यवथा को मजबूत करने और देश को ज्ञान की दृष्टि से विश्वभर में अग्रणी किए जाने पर जोर दिया।

इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष प्रो. वासुदेव देवनानी ने विश्व लोकतंत्र दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत में लोकतंत्र की जड़ें प्राचीनकाल से ही बहुत मजबूत रही है। यहां परिवार, समाज में आज भी लोकतंत्र की जड़ें जीवंत है। उन्होंने कहा कि युवा लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती प्रदान करें। सहिष्णुता में कमी जो आ रही है, उस पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

प्रो. देवनानी ने कहा कि युवाओं में संसदीय परमराओं का प्रसार हो। चुनौतियों का मुकाबला करने की शक्ति आए। उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं द्वारा मेज़ थपथपाने को देखकर कहा कि यह युवाओं के लोकसभा, विधानसभा की ओर बढ़ने का प्रारंभ है। उन्होंने अधिकारों के साथ साथ युवाओं को कर्तव्य के प्रति भी सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में नागरिक सहभागिता अधिक से अधिक बढ़े। इसमें युवा आगे आएं।

जवाबदेही रखते हुए हम लोकतंत्र को और मजबूत करें। कर्नाटक के विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादिर ने लोकतंत्र को संवाद की संसद बताते हुए राष्ट्र में युवाओं की सहभागिता को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि युवा संसद का अर्थ है, युवाओं में संवाद बना हुआ है। उन्होंने राजस्थान मे इसे महत्वपूर्ण बताया। आरंभ में जयपुर ग्रेटर की मेयर डा. सौम्या गुर्जर ने स्वागत उद्बोधन दिया।

बाढ़ सुरक्षा प्रबंध और जल के सदुपयोग के लिए 'वॉटर ग्रिड' स्थापित होगा : रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने शनिवार को कहा कि राज्य में बाढ़ प्रबंधन के साथ-साथ पानी के सदुपयोग के लिए 'रन ऑफ वाटर ग्रिड' की स्थापना की जाएगी जिस पर 30000 करोड़ रुपए व्यय होंगे। रावत राज्य भर में आयोजित राजस्थान जल महोत्सव के तहत नेवटा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जल झूलनी एकादशी के दिन पूरे राज्य में ग्राम पंचायत, ब्लॉक एवं जिला स्तर पर राजस्थान जल महोत्सव कार्यक्रम के आयोजन के माध्यम से जल संरक्षण पर जागरूकता और जन-जन की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

राज्य के पूर्ण भरे जलाशयों एवं 385 बांधों पर जल महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों एवं आमजन ने भाग लिया तथा जल देवता की पूजा-अर्चना की। जल संसाधन मंत्री ने कहा कि सरकार ने किसानों एवं आमजन के लिए सिंचाई एवं पेयजल को प्राथमिकता देते हुए ईआरसीपी जैसी महत्वपूर्ण परियोजना पर काम शुरू किया है।

उनका कहना था कि इसमें पार्वती-कालीसिंध - चंबल नदी के अधिशेष जल को राज्य के 21 जिलों में सिंचाई एवं पेयजल के लिए उपयोग में लाया जाएगा।

जल संसाधन मंत्री ने कहा कि इस वर्ष मानसून ने राजस्थान पर विशेष कृपा की है और अच्छे मानसून के कारण राज्य के बांध कुल भराव क्षमता के 84.88 प्रतिशत तक भर चुके हैं, 385 बांध पूर्ण रूप से भर चुके हैं और उनसे पानी बह रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में सामान्य से 63.71 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। रावत ने इससे पहले नेवटा गांव के शिव मंदिर में जलाभिषेक किया तथा कलश पूजन कर गांव की महिलाओं को कलश देकर मंदिर से नेवटा बांध तक कलश यात्रा को रवाना किया।

अलवर जिले के युवा सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्किल डवलपमेंट स्किम्स का लाभ उठाए : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने रविवार को अलवर जिले के ग्राम अहीरबास भडकोल के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सहगल फाउंडेशन द्वारा 55 लाख रूपये की लागत राशि से कराए गए विभिन्न विकास कार्यों का फीता काटकर लोकार्पण किया। केंद्रीय वन मंत्री यादव सहगल फाउंडेशन द्वारा ई-लाइब्रेरी, सुलभ शौचालय एवं विद्यालय भवन के जीर्णोद्धार के कराए गए विकास कार्यों का लोकार्पण कर आमजन को संबोधिक कर रहे थे। उन्होंने सहगल फाउंडेशन का आभार जताते हुए कहा कि राजकीय विद्यालय के उन्नयन एवं विकास में कराए गए कार्य सराहनीय है जिससे विद्यालय की सुविधाओं में बढ़ोतरी होने के साथ ही बच्चों को अध्ययन करने में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि विद्यालय में अध्ययन के साथ-साथ स्कील डवलपमेंट की कक्षाएं भी चलाई जाए जिससे तकनीकी शिक्षा के प्रति बच्चों में रूचि जाग्रत हो सके। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य है तथा कडी मेहनत व दृढ़ इच्छा शक्ति के बल पर कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है अतः मन लगाकर अध्ययन कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करें तथा अपने माता-पिता के सपनों को साकार कर देश के विकास में अपनी भागीदारी निभाए। उन्होंने विद्यालय में निर्मित ई-लाइब्रेरी में 50 हजार पुस्तकें उपलब्ध कराए जाने की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने विद्यालय के विकास में सहयोग करने पर सहगल फाउंडेशन के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया।

केंद्रीय मंत्री यादव ने अहीरबास भडकोल में कृष्ण यादव सेवा समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में यादव समाज की राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयनित बालिका का प्रतीक चिन्ह प्रदान कर व शॉल ओढाकर सम्मान किया तथा कक्षा 10वीं व 12वीं के प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रतीक चिन्ह, पुरस्कार राशि व बैग प्रदान कर सम्मानित किया।

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव एवं वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने अलवर रिसोर्ट में अखिल राजस्थान जाटव महासभा समिति जयपुर (शाखा अलवर) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कार्मिकों एवं प्रतिभावान बच्चों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा उन्नति व विकास की कुंजी है जिस समाज ने इसे अपनाया है वह निश्चित रूप से आगे बढा है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने शिक्षा को बढावा देने में सार्थक भूमिका निभाई है ।

जहाजपुर में पथराव का मामला : दो मस्जिदों के स्वामित्व दस्तावेज मांगे, तनाव बरकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा। शाहपुरा जिले के जहाजपुर कस्बे में शनिवार को बेवाण पर पथराव की घटना से तनाव का माहौल बन गया। इस घटना के बाद कस्बे में हालात काफी संवेदनशील हो गए हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रातभर ऑपरेशन चलाकर 15 लोगों को हिरासत में लिया है। पथराव की घटना के बाद कस्बे में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और पुलिस प्रशासन के अधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा कर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

शनिवार को राम रेवाड़ी जुलूस के दौरान एक मस्जिद से बेवाण पर पथराव की घटना हुई, जिसके बाद कस्बे में तनाव फैल गया। इस घटना को लेकर जहाजपुर से विधायक गोपीचंद मीणा ने आक्रोश व्यक्त करते हुए पथराव के दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने उस मस्जिद को अवैध बताकर उसे ध्वस्त करने की मांग भी रखी, जहां से पथराव हुआ था। नगर पालिका की ओर से पथराव वाली जामा मस्जिद तथा तकिया मस्जिद के सदर से स्वामित्व तथा निर्माण स्वीकृति के दस्तावेज 24 घंटों में पेश करने को कहा है। रविवार को दूसरे दिन जहाजपूर कस्बे के बाजार बंद है। हिन्दू संगठनों ने आज बैठक करके आगे की रणनीति पर विचार किया है। आज की बैठक में भी मुख्य रूप से अवैध मस्जिद को हटाने व उस पर बुलडोजर चलाने की मांग की है। निकटवर्ती पंडेर करबा भी समर्थन में बंद है। बजरंगदल की ओर से आज सभी उपंखड मुख्यालयों पर इस मामले को लेकर ज्ञापन दिया जायेगा। शाहपुरा कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि हालात नियंत्रण में है। दोनो पक्षों से वार्ता के दौर जारी हैं। प्रशासन अपना काम

कर रहा है। किसी भी दंगाई को बख्शा नहीं जायेगा। वो स्वयं एसपी राजेश कांवट के साथ वहीं पर डेरा डाले है।

कस्बे में रविवार सुबह से ही स्वैच्छिक बंद देखा गया। पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी लगातार क्षेत्र में गश्त कर रहे हैं और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील कर रहे हैं। पुलिस ने कस्बे में धारा 144 लागू नहीं की है और न ही इंटरनेट सेवाओं पर कोई रोक लगाई गई है। कस्बे में हालात फिलहाल शांतिपूर्ण बने हुए हैं, लेकिन संवेदनशीलता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। जिले के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने खुद स्थिति की निगरानी की और कस्बे के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रशासन हर प्रकार से स्थिति पर नजर रखे हुए है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विधायक गोपीचंद मीणा ने मस्जिद को अवैध बताते हुए उसे तुरंत ध्वस्त करने की मांग रखी है। वहीं प्रशासन इस मांग पर विचार कर रहा है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। पुलिस और प्रशासन इस मुद्दे को संवेदनशील मानते हुए कोई भी त्वरित कार्रवाई करने से पहले सभी पहलुओं पर गौर कर रहे हैं। रविवार सुबह से कस्बे में शांति बनी हुई है और स्थिति नियंत्रण में है। बाजार और दुकानें स्वैच्छिक रूप से बंद हैं।

प्रशासन की ओर से जारी बयान में कस्बे के लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि पुलिस दोषियों की पहचान कर रही है और जल्द ही उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वह शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। पुलिस दोषियों की तलाश में जुटी है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

आरक्षण संबंधी बयान को लेकर उपराष्ट्रपति ने राहुल गांधी पर निशाना साधा

भारत के संविधान के बारे में जागरूकता की अत्यधिक आवश्यकता है : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरक्षण से संबंधित बयान को लेकर उन पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति की ऐसी टिप्पणी ''संविधान विरोधी मानसिकता'' को दर्शाती है।

धनखड़ ने मुंबई में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारत के संविधान के बारे में जागरूकता की अत्यधिक आवश्यकता है, क्योंकि कुछ लोग इसकी मूल भावना को भूल गए हैं। उन्होंने कहा, ''संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति का विदेशी धरती पर यह कहना कि आरक्षण समाप्त कर दिया जाना चाहिए, संविधान विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। यह वही पुरानी संविधान विरोधी मानसिकता है, बस इसकी जिम्मेदारी किसी और ने ले ली है।'' उपराष्ट्रपति ने कहा, ''आरक्षण योग्यता के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह देश और संविधान की आत्मा है। यह सकारात्मक है, नकारात्मक नहीं। यह किसी को अवसर से वंचित नहीं करता, बल्कि समाज को ताकत देने वाले स्तंभों को सहारा देता है।''

हाल ही में अमेरिका की यात्रा के दौरान, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने कहा था कि कांग्रेस आरक्षण खत्म करने के बारे में तभी सोचेगी, जब देश में सभी को समान अवसर मिलने लगेंगे और फिलहाल भारत में ऐसी स्थिति नहीं है।

हालांकि, बाद में अमेरिका में संवाददाता सम्मेलन में गांधी ने कहा था कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया ताकि यह दिखाया जा सके कि वे आरक्षण के खिलाफ हैं।

गांधी ने स्पष्ट किया, मैं बार-बार कहता रहा हूं कि हम आरक्षण को 50 प्रतिशत से आगे बढ़ाने जा रहे हैं।

धनखड़ ने कहा कि यह विडंबना है कि विदेश यात्रा का उद्देश्य भारत की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा करने तथा इसके संविधान के प्रति सम्मान दिखाना नहीं बल्कि सार्वजनिक रूप से संविधान के प्रति अनादर व्यक्त करना था। उन्होंने कांग्रेस नेता पर निशाना साधते हुए कहा, संविधान को किताब की तरह नहीं दिखाया जाना चाहिए। इसका सम्मान किया जाना चाहिए, इसे पढ़ा जाना चाहिए और समझा जाना चाहिए। कोई भी सज्जन व्यक्ति, बुद्धिमान व्यक्ति या संविधान का सम्मान करने वाला व्यक्ति कभी भी इस तरह के व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगा।

लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान गांधी अक्सर संविधान के संक्षिप्त संस्करण की प्रति दिखाते थे, ताकि कांग्रेस नीत विपक्ष के इस आरोप को बल मिल सके कि भाजपा संविधान में बदलाव करना चाहती है और आरक्षण समाप्त करना चाहती है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति विदेशी धरती पर लगातार भारत विरोधी बयानबाजी कर रहा है। क्या हम अपने संविधान के लगातार हो रहे अपमान को नजरअंदाज कर सकते हैं? मैं युवाओं से ऐसे दुस्साहसों का विरोध करने का आह्वान करता हूं, वे हमारी मातृभूमि को आहत करते हैं।

धनखड़ ने कहा कि उन्हें संविधान और उसके मूल्यों का अनादर करने वाली ताकतों से लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लगाने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की आलोचना की और कहा कि यह हमारे लोकतंत्र का सबसे काला दौर था।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों पर निशाना साधते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, मंडल आयोग की रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंप दी गई थी, लेकिन दस साल तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। उस अवधि के दौरान देश में दो प्रधानमंत्री रहे, इंदिरा गांधी और उनके बेटे राजीव गांधी। दोनों ने इस बारे में कुछ नहीं किया।

आरक्षण मामले पर कांग्रेस का धनखड़ पर पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आरक्षण पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधने वाले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पर पलटवार करते हुए कांग्रेस ने रविवार को उनसे सवाल किया कि वह जातिगत जनगणना कराने से इनकार करने वाले का समर्थन करते हैं या इसकी पैरवी करने वाले का।

विपक्षी दल की यह टिप्पणी धनखड़ के उस बयान के मद्देनजर आई है, जिसमें उन्होंने कहा था, एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति का विदेशी धरती पर यह कहना कि आरक्षण खत्म किया जाना चाहिए, संविधान विरोधी मानसिकता को रेखांकित करता है। आरक्षण के खिलाफ पूर्वाग्रहों की कमान आगे बढ़ा दी गई है। यह वही पुरानी संविधान विरोधी मानसिकता है।

राहुल के बयान पर धनखड़ की टिप्पणी से जुड़े एक पोस्ट को टैग करते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, मैं इस संवैधानिक प्राधिकारी से पूछूंगा कि वह किसका समर्थन करते हैं, उसका जो जातिगत जनगणना कराने से लगातार इनकार कर रहा है या उसका जो जातिगत जनगणना और अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण पर लागू 50 फीसदी की सीमा को हटाने की जोरदार पैरवी कर रहा है?

इससे पहले, धनखड़ की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था, राहुल जी ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण पर लागू 50 फीसदी की सीमा को खत्म करने की मांग की है। क्या आप कांग्रेस की इस मांग का समर्थन करते हैं धनखड़ साहब?

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका के जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में छात्रों से संवाद के दौरान सोमवार को कहा था कि कांग्रेस तभी आरक्षण खत्म करने के बारे में सोचेगी, जब देश में सभी को समान अवसर मिलने लगेंगे और फिलहाल भारत में ऐसी स्थिति नहीं है। बाद में अमेरिका में संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा था, किसी ने मुझे गलत तरीके से उद्धृत करते हुए कहा कि मैं आरक्षण के खिलाफ हूं। मैं बार-बार कहता रहा हूं कि हम आरक्षण बढ़ाकर 50 प्रतिशत से अधिक करेंगे।

ओडिशा में दो नई वंदे भारत ट्रेन शुरू

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के ब्रह्मपुर और राउरकेला से रविवार को दो नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन रवाना हुईं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड में ऐसी छह ट्रेन को ऑनलाइन माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। ओडिशा से रवाना की गई ये दो ट्रेन राउरकेला-हावड़ा और ब्रह्मपुर-टाटानगर हैं। हरी झंडी दिखाने के लिए ब्रह्मपुर और राउरकेला रेलवे स्टेशनों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी राउरकेला तथा ब्रह्मपुर रेलवे स्टेशनों पर मौजूद थे, जब प्रधानमंत्री ने छह वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

राज्यपाल ने राउरकेला रेलवे स्टेशन पर राउरकेला-हावड़ा वंदे भारत के उद्घाटन समारोह में भाग लिया, जबकि माझी ब्रह्मपुर रेलवे स्टेशन पर ब्रह्मपुर-टाटानगर वंदे भारत को हरी झंडी दिखाने के अवसर पर उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ब्रह्मपुर में वंदे भारत एक्सप्रेस में सवार होकर राज्य की राजधानी भुवनेश्वर पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई वंदे भारत ट्रेन ओडिशा के रेशम शहर ब्रह्मपुर को भारत के इस्पात शहर टाटानगर से जोड़ेगी।

महिला को डराकर या गुमराह कर शारीरिक संबंध बनाना दुष्कर्म : उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक निर्णय में कहा है कि कोई व्यक्ति भले ही महिला की सहमति से उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता हो, लेकिन यदि महिला भयभीत या भ्रमित होकर ऐसी सहमति देती है तो ऐसे संबंध को दुष्कर्म ही माना जाएगा।

न्यायमूर्ति अनिस कुमार गुप्ता ने यह टिप्पणी करते हुए आगरा के राघव कुमार नामक एक व्यक्ति की याचिका खारिज कर दी।

राघव ने दुष्कर्म के मुकदमे को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था। उस पर आरोप है कि उसने एक महिला को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। राघव ने इस मामले में पुलिस की ओर से दाखिल आरोप-पत्र को रद्द करने का अदालत से अनुरोध किया था।

मामले के तथ्यों के मुताबिक, एक महिला ने राघव के खिलाफ आगरा के महिला थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 (दुष्कर्म) के तहत मामला दर्ज कराया था, जिसकी विवेचना के बाद पुलिस ने 13 दिसंबर, 2018 को आगरा के जिला एवं सत्र न्यायालय में राघव के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल किया था।

महिला का आरोप है कि राघव ने पहली बार उसे बेहोश करके शारीरिक संबंध बनाया था और इसके बाद वह शादी का झूठा वादा करके लंबे समय तक यौन शोषण करता रहा।

याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि आरोपी और शिकायतकर्ता महिला एक-दूसरे को जानते थे और साथ-साथ सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी भी कर रहे थे। वकील ने यह भी दलील दी कि दोनों के बीच सहमति से शारीरिक संबंध बने, जो लंबे समय तक जारी रहे, इसलिए आरोपी राघव के खिलाफ दुष्कर्म का मामला नहीं बनता।

वहीं दूसरी ओर, राज्य सरकार के वकील ने याचिका का यह कहते हुए विरोध किया कि दोनों पक्षों के बीच शारीरिक संबंध की शुरुआत धोखाधड़ी पर आधारित है और राघव ने बलपूर्वक संबंध बनाए, जिसके लिए महिला की ओर से कोई सहमति नहीं थी, इसलिए यह दुष्कर्म का स्पष्ट मामला है।

अदालत ने दोनों पक्षों की जिरह सुनने और साक्ष्यों पर गौर करने के बाद 10 सितंबर को दिए अपने निर्णय में कहा, चूंकि याचिकाकर्ता द्वारा शुरुआती संबंध धोखाधड़ी, धमकी के साथ और महिला की इच्छा के विरुद्ध स्थापित किए गये, इसलिए प्रथम दृष्टया यह आईपीसी की धारा 376 (दुष्कर्म) के तहत अपराध का मामला बनता है। तदनुसार, इस अदालत को (आरोपी के खिलाफ) आपराधिक मुकदमा रद्द करने का कोई उचित कारण नहीं दिखता।

मेरठ में मकान ढहा: 10 लोगों की मौत, पांच घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेरठ/लखनऊ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश में मेरठ की जाकिर कॉलोनी में तीन मंजिला मकान गिरने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

मेरठ के जिलाधिकारी (डीएम) दीपक मीणा ने बताया कि शवों के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी है और जल्द ही शवों को परिजन को सौंप दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि पीड़ित परिवार को प्रति मृतक चार-चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता और मकान पूर्णतः क्षतिग्रस्त होने के कारण 1.20 लाख रुपए दिए जाने की कार्रवाई भी की जा रही है। समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की सरकार से मांग की है। मेरठ जिला प्रशासन की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, लोहिया नगर थाना क्षेत्र के जाकिर कॉलोनी में तीन मंजिला मकान गिरने से 10 लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गये।

प्रशासन ने मृतकों के नामों की एक नई सूची जारी करते हुए बताया कि घटना में मारे गए व्यक्तियों में नफो उर्फ नफीसा (65), पुत्र साजिद (40),साईमा (35), सानिया (15), शाकिब (12), फरहाना (27), अलीसा (25),रिया (10),हिमसा (छह माह) और सैफियान (सात) शामिल है। घायलों का लाला लाजपत राय मेमोरियल मेडिकल कॉलेज में इलाज जारी है।

इस बीच मेरठ के जिलाधिकारी (डीएम) दीपक मीणा ने संवाददाताओं को बताया , ''जब (घटना के बाद) बचाव अभियान शुरू हुआ था, तो रिश्तेदारों ने 15 लोगों के बारे में जानकारी दी थी।

आरजी कर अस्पताल:

कनिष्ठ चिकित्सकों का स्वास्थ्य विभाग कार्यालय के बाहर प्रदर्शन जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल मामले के विरोध में प्रदर्शन कर रहे कनिष्ठ चिकित्सकों ने राज्य सरकार के साथ गतिरोध सुलझाने का एक और प्रयास विफल हो जाने के एक दिन बाद रविवार को कहा कि वे इस मामले में न्याय दिलाने के अपने संकल्प पर अडिग हैं। कोलकाता के साल्ट लेक में राज्य स्वास्थ्य विभाग मुख्यालय के बाहर कनिष्ठ चिकित्सकों का धरना प्रदर्शन बारिश के बावजूद लगातार छठे दिन भी जारी रहा।

अस्पताल में एक महिला प्रशिक्षु चिकित्सक से कथित बलात्कार और उसकी हत्या के मामले में न्याय की मांग को लेकर कनिष्ठ चिकित्सक प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रदर्शन कर रहे एक कनिष्ठ चिकित्सक ने कहा, ''हम अपनी बहन को न्याय दिलाने के अपने संकल्प पर अडिग हैं, भले ही इस मार्ग में कितनी भी मुश्किलें क्यों न हों। हम में से कुछ लोगों की तबीयत खराब हो गई है, इसके बावजूद हमने खराब मौसम एवं कठिन परिस्थितियों में भी सड़कों पर रातें बिताई हैं।''

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कनिष्ठ चिकित्सकों के धरनास्थल पर शनिवार को अचानक पहुंचीं और उन्होंने चिकित्सकों की मांगों पर गौर करने का आश्वासन दिया। बहरहाल, उनकी और चिकित्सकों की प्रस्तावित बैठक नहीं हो सकी। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि उन्होंने मुख्यमंत्री आवास के द्वार पर तीन घंटे तक इंतजार किया लेकिन उन्हें अचानक वहां से चले जाने को कहा गया।

एक अन्य प्रदर्शनकारी चिकित्सक ने दावा किया कि उन्होंने बनर्जी के अनुरोध पर सीधे प्रसारण या वीडियो रिकॉर्डिंग के बिना बैठक में भाग लेने पर सहमति व्यक्त कर दी थी और स्वास्थ्य राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य को इस निर्णय की सूचना दी गई थी लेकिन उन्हें वहां से चले जाने को कहा गया, क्योंकि तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उन्होंने कहा, ''हमें मजबूत बने रहना होगा। यह लड़ाई केवल हमारी नहीं है, यह बंगाल के 10 करोड़ लोगों की लड़ाई है। संदीप घोष और ताला पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी की गिरफ्तारी हमारे इस विचार को पुष्ट करती है कि इस जघन्य अपराध को छिपाने की कोशिश की गई थी।''

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने प्रशिक्षु चिकित्सक से दुष्कर्म-हत्या के मामले में आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष के खिलाफ शनिवार को साक्ष्यों से छेड़छाड़ का आरोप जोड़ा। घोष फिलहाल भ्रष्टाचार के एक मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई ने ताला पुलिस थाने के प्रभारी अभिजीत मंडल को जांच को गुमराह करने और अपराध स्थल से छेड़छाड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। कनिष्ठ चिकित्सकों ने नौ अगस्त की शाम से काम बंद कर रखा है और वे कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल, स्वास्थ्य सचिव एन एस निगम, स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक और चिकित्सा शिक्षा निदेशक को आरजी कर घटना के संदर्भ में अपने कर्तव्यों के निर्वहन में ''विफल'' रहने के लिए निलंबित किए जाने की मांग कर रहे हैं।

बिहार में 'बिगड़ती' कानून-व्यवस्था को लेकर राजद ने मार्च निकाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में कथित तौर पर 'बढ़ती' आपराधिक घटनाओं और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने रविवार को पटना में विरोध मार्च निकाला।

राजद नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन पहुंचकर एक नामित अधिकारी को ज्ञापन सौंपा, जिसमें राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की गई।

राजद का यह विरोध मार्च वीरचंद पटेल रोड स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय से शुरू हुआ जिसे राजभवन पहुंचकर समाप्त होने था, लेकिन पुलिस ने उन्हें आयकर गोलंबर पर ही रोक दिया।

राजभवन तक मार्च निकालने की इजाजत नहीं मिलने पर राजद के कुछ विधायकों और पार्टी के अन्य नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल को प्रशासनिक अधिकारी राजभवन ले गए जहां उन्होंने नामित अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा।

मार्च के दौरान, हाथों में पार्टी का झंडा लिए राजद कार्यकर्ताओं ने राज्य में 'बिगड़ती' कानून-व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ नारेबाजी की।

राजद के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने संवाददाताओं से कहा, ''पार्टी ने ज्ञापन में राज्य में बढ़ती आपराधिक घटनाओं और बिगड़ती कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर राज्यपाल से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। नीतीश कुमार सरकार अपराध रोकने में बुरी तरह विफल रही है।''

ज्ञानवापी मुद्दे पर विधिसम्मत व्यवस्था के आधार पर आगे बढ़ेगी भाजपा : चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलिया (उप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने रविवार को कहा कि पार्टी ज्ञानवापी मुद्दे पर विधिसम्मत व्यवस्था के आधार पर आगे बढ़ेगी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखपुर में एक कार्यक्रम में कहा था, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग ज्ञानवापी को मस्जिद कहते हैं, जबकि यह स्वयं भगवान विश्वनाथ का स्वरूप है।''

चौधरी रविवार को बलिया जिले के बसंतपुर में पार्टी के सदस्यता अभियान की समीक्षा के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उनसे जब मुख्यमंत्री योगी के ज्ञानवापी संबंधी बयान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ''भाजपा इस मुद्दे पर विधिसम्मत व्यवस्था के आधार पर आगे बढ़ेगी।''

चौधरी ने कहा, ''मुझे मालूम नहीं है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किस परिप्रेक्ष्य में यह बयान दिया है, लेकिन पूरा देश और सब लोग जानते हैं कि हमारे देव स्थानों को लेकर उनका (योगी) किस प्रकार दृष्टिकोण रहा है।

हाल में हुए लोकसभा चुनाव में राज्य में पार्टी के उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किये जाने के बावजूद उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उत्तर प्रदेश में आने वाले समय में भाजपा को जनता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। चौधरी ने कहा, ''भाजपा ने राजनीतिक दल के नाते जनता का निर्णय स्वीकार किया है और लोकतंत्र में हार-जीत होती रहती है।'' उन्होंने हालांकि कहा, ''हमारे लिए गर्व की बात है कि देश की जनता ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी जी को मौका दिया है।''

पिछले लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की 80 सीट में से भाजपा और इसके सहयोगी दलों को 36 सीट पर जीत मिली थी जबकि शेष सीट पर विपक्ष ने जीत हासिल की थी।

ओडिशा सरकार ने 10,000 स्थानों पर 'सुभद्रा स्वागत पदयात्रा' का आयोजन किया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'सुभद्रा' योजना की शुरुआत किए जाने से पहले राज्य सरकार ने रविवार को राज्य भर में 'सुभद्रा स्वागत' पदयात्रा शुरू की।

ओडिशा की उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रभारी प्रभाती परिदा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया और कहा कि इस पदयात्रा का उद्देश्य सुभद्रा योजना के बारे में महिलाओं में जागरूकता पैदा करना तथा गांव स्तर पर इस योजना का स्वागत करना है। परिदा ने योजना का शुभारंभ करते हुए कहा कि 'ग्राम पंचायत लेवल फेडरेशन (जीपीएलएफ)' के सदस्यों की देखरेख में प्रत्येक ग्राम पंचायत में पदयात्राएं आयोजित की जा रही हैं।

क्रिकेट को लेकर अश्विन के दिमाग और सोच का सम्मान करता हूं : ख्वाजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/भाषा। ऑस्ट्रेलिया सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने कहा कि वह पिछले कुछ वर्षों से भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ खेलने का लुत्फ उठाते रहे हैं क्योंकि वह ऐसे गेंदबाज है जिसके पास हमेशा योजना और रणनीति होती है।

अश्विन (39 विकेट) ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैचों में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले भारतीय गेंदबाजों में तीसरे स्थान पर काबिज हैं। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैचों में उनसे अधिक विकेट अनिल कुंबले (49) और कपिल देव (51) के नाम हैं। वह इन दोनों देशों की सभी द्विपक्षीय शृंखलाओं (घरेलू और विदेशी) में 114 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज है। इसमें सात बार पांच विकेट चटकाना भी शामिल है।

ख्वाजा ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, ''रवि बहुत अच्छे गेंदबाज हैं। वह बहुत रणनीतिक हैं। उनके पास बल्लेबाजों के लिए हमेशा एक योजना होती है।'' उन्होंने कहा, ''वह बल्लेबाजों की खामियों का पता लगाने और मैच के दौरान दबदबा बनाने की कोशिश करते रहते हैं। मैं इसका सम्मान करता हूं। मैं उसके क्रिकेट दिमाग का सम्मान करता हूं। उसके खिलाफ खेलना हमेशा अच्छा होता है और मैं हमेशा इस तरह की चुनौती से निपटने के लिए तैयार रहता हूं।''

यह अश्विन का ऑस्ट्रेलिया का पांचवां टेस्ट दौरा होगा। वह 2011-12, 2014-15, 2018-19 और 2020-21 में खेली गई टीमों का हिस्सा रहे हैं। उन्हें हालांकि पिछले दो दौरों पर चोट की समस्या थी।

भारत के खिलाफ लगातार अच्छी बल्लेबाजी करने वाले ट्रेविस हेड का मानना है कि पिछले दो दौरे पर जीत दर्ज करने के बावजूद भारतीय टीम आगामी बॉर्डर गावस्कर टेस्ट शृंखला के लिए जीत की प्रबल दावेदार नहीं होगी।

इस वामहस्त बल्लेबाज ने कहा, '' मुझे ऐसा नहीं लगता कि वे जीत के दावेदार हैं। मेरा मानना है कि हमने पिछले कुछ वर्षों में उनके खिलाफ काफी क्रिकेट खेला है और मै इस दौरान अच्छी लय में रहा हूं। अच्छा खेलने में सक्षम होना हमेशा शानदार होता है।'' उन्होंने कहा, '' किसी मैच के लिए तैयार होना ज्यादा कठिन नहीं है लेकिन भारतीय टीम बेहद प्रतिस्पर्धी है लेकिन मैं यह नहीं कहूंगा कि वे जीत के दावेदार है।''

सुविचार

जब तक जीना तब तक सीखना है, अनुभव ही जगत में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक हैं!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

केजरीवाल का बड़ा दांव

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 'दो दिन बाद' अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा कर बड़ा सियासी दांव चल दिया है। ईमानदारी का दावा कर सत्ता में आए केजरीवाल अब अपने लिए जनता से 'ईमानदारी का प्रमाणपत्र' पाना चाहते हैं। वे दिल्ली में समय पूर्व चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। केजरीवाल ने अपने गुरु अन्ना हजारे की छत्रछाया में जिस तरह भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन कर आम आदमी पार्टी (आप) बनाई, दूसरी पार्टियों के नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, दिल्ली में सत्ता मिली तो अपने कई पुराने साथियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया, खुद तो ईमानदारी के बड़े-बड़े दावे करते रहे, लेकिन आबकारी नीति से जुड़े मामले में जांच एजेंसियों का सामना करने से बचते रहे, आखिरकार उसी मामले में जेल चले गए। अब उच्चतम न्यायालय से जमानत मिली तो अपनी बेगुनाही साबित करने का जिम्मा जनता पर छोड़ दिया! केजरीवाल बेगुनाह हैं या नहीं हैं, यह फैसला तो न्यायालय करेगा। अगर सत्ता-प्राप्ति को ही पाक-साफ होने का प्रमाण मान लिया जाए तो देश में अदालतों की क्या जरूरत है? केजरीवाल यह क्यों भूल जाते हैं कि एक-डेढ़ दशक पहले वे जिन नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें आड़े हाथों लेते थे, वे भी तो सत्ता में आए थे? इस तर्क के आधार पर उन सबको बेगुनाह क्यों न मान लिया जाए? सत्ता कोई ऐसा दिव्य सरोवर नहीं है, जिसमें गोता लगाते ही कोई व्यक्ति अपने पुराने गुनाहों से मुक्ति पा ले। यह अपने साथ बहुत जिम्मेदारी और जवाबदेही लेकर आती है। नेताओं को त्याग, तपस्या और मर्यादा का पालन करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। मन में देशसेवा की भावना होनी चाहिए। खुद को लोभ-लालच से दूर रखना चाहिए। अगर जाने-अनजाने में कहीं कोई गलती हो भी जाए तो उसे स्वीकार करना चाहिए। इसके बाद न्यायालय को तय करने दें कि आप कितने पाक-साफ हैं।

केजरीवाल ने अपनी 'जेलयात्रा' के साथ महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह का भी उल्लेख किया। वैसे यहां भगत सिंह का उल्लेख करना बनता नहीं है। भगत सिंह तो देश की आज़ादी के लिए जेल गए थे और फांसी पाकर अमर हो गए, जबकि केजरीवाल और सिसोदिया के जेल जाने की वजह आबकारी नीति से जुड़ा कथित भ्रष्टाचार था। अगर आम आदमी पार्टी के ये शीर्ष नेता भगत सिंह के आदर्शों का पालन करते तो राष्ट्रीय राजधानी में शराबबंदी सख्ती से लागू करते। इससे आम जनता को लगता कि हां, आम आदमी पार्टी भगत सिंह के सपनों का भारत बनाना चाहती है। उसका संदेश देशभर में जाता। अगर उस दौरान उनके जेल जाने की नौबत आती, तब यह तर्क दे सकते थे कि 'हम सुधार करने निकले हैं, लेकिन हमारी राह में कांटे बिछाए जा रहे हैं ... अब जनता-जनार्दन हमें न्याय दे ... शराब पर सख्ती से पाबंदी लगाने के लिए हमारा साथ दे।' अगर केजरीवाल इतना कर देते तो यह अन्ना आंदोलन से भी बड़ा आंदोलन होता। उनकी सियासी साख और मजबूत हो जाती। आबकारी नीति मामले में केजरीवाल के जेल जाने से उन्हें कुछ सहानुभूति तो मिली, लेकिन बहुत लोगों को निराशा भी हुई। वे केजरीवाल को ऐसा योद्धा मानते थे, जो 'झाड़ू' लेकर भ्रष्टाचार का सफाया करने निकला था। किसने सोचा होगा कि जिस भ्रष्टाचार के खिलाफ केजरीवाल ने हल्ला बोल रखा है, एक दिन खुद उसी के लपेटे में आ जाएंगे? आबकारी नीति मामले में न्यायालय जो भी फैसला करे, तब तक केजरीवाल की साख दांव पर रहेगी। उन्होंने जमानत की अवधि का 'सदुपयोग' करते हुए चुनावों में जाने का फैसला कर लिया। दिल्ली की जनता को उनका यह दांव कितना पसंद आएगा, यह तो चुनाव नतीजों के बाद ही पता चलेगा। इतना तय है कि इस बार दिल्ली के चुनावी रण में केजरीवाल की ओर विपक्ष के तीर खासे तीखे होने वाले हैं।

ट्वीटर टॉक

हमारे शास्त्रों में कहा गया है – गाव: सर्वसुख प्रदा:'। लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री आवास परिवार में एक नए सदस्य का शुभ आगमन हुआ है। प्रधानमंत्री आवास में प्रिय गौ माता ने एक नव वत्सा को जन्म दिया है, जिसके मस्तक पर ज्योति का चिह्न है।

–नरेन्द्र मोदी

मोदी सरकार किसानों को उनकी फसल का उचित दाम दिलाने के लिए निर्यात को बढ़ा रही है, जिससे किसान अपनी फसल का अधिक से अधिक दाम प्राप्त कर पायें। किसान हित सर्वोपरि रखते हुए मोदी सरकार ने तीन महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं:

–अमित शाह

बाबा खाटू श्याम जी के एकादशी, द्वादशी मेले की सभी श्रद्धालुओं और भक्तों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। बाबा खाटू श्याम जी सभी पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखें तथा देश व पूरे प्रदेश में सुख-समृद्धि, खुशहाली हो, ऐसी मनोकामना है।

–वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

अकेलेपन की सच्चाई

एक बार लियोनार्दो दा विंची के एक शागिर्द ने अपने अकेलेपन को लेकर बहुत दुखी करने वाली बातें कहीं। वह शागिर्द अपने परिवार और रिश्तेदारों के बारे में गलत बातें कह रहा था कि अब वे लोग अपने उत्सव और समागम में उसको शामिल करने तक की जरूरत नहीं समझते। मगर, लियोनार्दो की नजर में यह अकेलापन था ही नहीं। वह तुरंत उसे अपने साथ कब्रिस्तान ले गये। उससे कहा कि दो घंटे में लौटकर आ रहा हूं। यहीं रुकना। कुछ दूर से लियोनार्दो उसे छिपकर देखने लगे। आधे घंटे में ही वह शागिर्द परेशान होकर इधर-उधर देखने लगा था। अब वह जमीन पर कोई आकृति उकेरने लगा। उसके बाद जमीन पर गिरे पत्तों और फूलों से नमूने बनाने लगा। दो घंटे से पहले ही लियोनार्दो उसके पास आ पहुंचे। 'तो कैसा रहा?' लियोनार्दो ने उससे पूछा। 'जी, यही कि कब्रिस्तान से अधिक अकेलापन कहीं नहीं है। मैं तो अकेला हूं ही नहीं। मेरे पास एक संस्थान है सहपाठी हैं प्रशंसक हैं मेरी कला है।' 'शाबाश, तुमने महत्वपूर्ण बात कही। सचमुच अगर आप अकेले हैं, तो पूरी तरह से अपने आप के हैं।' लियोनार्दो ने उसकी सराहना की।

सामयिक

बुढ़ापे में स्वास्थ्य सुरक्षा कवच बनाने की सराहनीय पहल

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

केंद्र सरकार ने अब सत्तर साल से ऊपर के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत' योजना में शामिल करने का निर्णय लिया है, जो सुखद एवं स्वागतयोग्य कदम है। अपने देश के करीब साढ़े चार करोड़ परिवार के छह करोड़ बुजुर्ग इस योजना के अंतर्गत मुफ्त इलाज करा सकेंगे। दरअसल वर्ष 2018 में शुरू हुई आयुष्मान भारत योजना में अब तक केवल गरीब परिवार ही शामिल हो सकते थे, जिन्हें पांच लाख का कैशलेस कवर दिया जाता था। अब इस सार्वभौमिक स्वास्थ्य योजना का लाभ सभी बुजुर्गों को दिया जाएगा। इस योजना से हम एक ऐसी दुनिया बना सकेंगे जहाँ हर बुजुर्ग अपने बुढ़ापे को गरिमा, आत्मसम्मान, सुरक्षा और स्वस्थता के साथ जी सकेंगे। इसके लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी जनकल्याणकारी सरकार को साधुवाद दिया जाना चाहिए। पारिवारिक एवं सामाजिक घोर उपेक्षा एवं उदासीनता के कारण बुढ़ापा अपने आप में एक रोग ही बनता गया है। जब आय के स्रोत सिमट जाते हैं और बच्चों से पर्याप्त मदद नहीं मिलती तो शरीर में रोग दस्तक देने लगते हैं, फिर महंगे इलाज की चिंता और बढ़ जाती है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने इस स्थिति को नियंत्रण से बाहर कर दिया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार की नयी पहल का बेहतर तरीके से क्रियान्वयन हुआ तो यह फैसला इस आयुवर्ग के बुजुर्गों की सेहत को लेकर सुरक्षा कवच का काम करेगा। यह जरूरत इसलिए भी महसूस की जा रही थी क्योंकि आने वाले बीस वर्ष में भारत की बुजुर्ग आबादी तीन गुना होने की संभावना है।

नये भारत-विकसित भारत की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण एवं उचित स्वास्थ्य-सेवाओं को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति है कि वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सुसंस्कृत परिवार परम्परा पर तो काला दाग है ही, शासन-व्यवस्थाओं के लिये भी लज्जाजनक है। हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्धों की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलाने एवं उनके स्वास्थ्य विषयक खर्चो एवं चिन्ताओं को दूर करने के लिये केन्द्र सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत %0 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को वित्तीय लाभ देने का फैसला लिया है, वह सराहनीय एवं प्रासंगिक निर्णय है। इस फैसले की जरूरत इसलिए थी क्योंकि सामाजिक सुरक्षा के मामले में भारत बहुत पीछे है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे 2019-21 की रिपोर्ट से पता चलता है कि देश में ऐसे परिवारों की संख्या केवल 41 प्रतिशत है, जिनके कम से कम एक सदस्य का स्वास्थ्य बीमा हो। बिहार, महाराष्ट्र जैसे बड़ी आबादी वाले राज्यों में तो यह राष्ट्रीय औसत के करीब आधे के बराबर है। स्वास्थ्य बीमा को लेकर यह उदासीन रवैया हमारी उस आदत की वजह से है, जिसमें ज्यादातर लोग यह सोचते हैं कि जब बीमारी आएगी तो देखा जाएगा। बहुत से लोग जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा को एक ही चीज समझ लेते हैं। लेकिन, जब बीमारी सिर पर आती है, तो पूरे घर के बजट को तहस-नहस एवं असंतुलित कर देती है। सरकार का मौजूदा कदम कई परिवारों को ऐसे आर्थिक दुष्चक्र में फंसने से बचा सकता है। भारत में इलाज दिनों-दिन महंगा होता जा रहा है। जब आय के स्रोत सिमट जाते हैं और बच्चों से पर्याप्त मदद नहीं मिलती तो शरीर में रोग दस्तक देने लगते हैं, फिर महंगे इलाज की चिंता और बढ़ जाती है। अकसर भारत में कर्मचारी व आम लोग सोचते हैं कि वे जीवन भर आयकर चुकाते हैं, लेकिन बुढ़ापे में सरकार की ओर से सामाजिक सुरक्षा ना के बराबर होती है। लेकिन अब मोदी सरकार ने लोकतंत्र के सामाजिक कल्याणकारी स्वरूप को तरजीह दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उसने वृद्धों को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू किया है। इन योजनाओं को लागू करने की जरूरत इसलिये सामने आयी है कि वृद्धों को आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा, बंधन माना जाने लगा है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते पारिवारिक-सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। अब जब स्वास्थ्य बीमा का दायरा बढ़ाया गया है तो यह उम्मीद की जानी चाहिए कि खर्च को लेकर परिजनों का डर कम होगा। इस योजना का पूरा खाका सामने आना बाकी है। लेकिन यह सुनिश्चित तो करना ही होगा कि बीमा सुरक्षा कवच होने के बावजूद बुजुर्ग मुफ्त उपचार से वंचित न रह जाएं। खास तौर से सरकारी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं को लेकर निजी अस्पतालों के रवैये को देखते हुए यह चिंता ज्यादा जरूरी हो जाती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार भारत में औसत आयु 6%.3 साल है। पिछले दो दशकों में ही औसत आयु में पांच बरस से अधिक का इजाफा हो चुका है। निश्चित ही यह अच्छी खबर है, लेकिन इसके साथ यह चिंता भी जुड़ी हुई है कि देश में दिल से जुड़े रोगों और डायबिटीज के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। अन्य रोग भी तेजी से बढ़ रहे हैं। अनुमान लगाया गया है कि भारत में 60 वर्ष से ज्यादा उम्र की जो आबादी वर्ष 2011 में 8.6 प्रतिशत थी, वह बढ़कर 2050 तक 19.5 फीसदी हो जाएगी। यह भी अनुमान है कि 2030 तक भारत में स्वास्थ्य देखभाल का 45 प्रतिशत खर्च बुजुर्ग मरीजों पर होगा। ऐसे में बुजुर्गों के सामने अनेक अन्य समस्याओं के साथ नई एवं असाध्य बीमारियां और उनका महंगा इलाज बड़ी समस्या है। ऐसी स्थितियों में अब इस योजना का लाभ सभी बुजुर्गों को दिया जाएगा। बहुत संभव है कि इस समय जब कुछ राज्यों में चुनाव की प्रक्रिया चल रही है तो इस घोषणा के राजनीतिक निहितार्थों पर चर्चा हो सकती है। लेकिन भाजपा ने 2024 में लोकसभा चुनाव के लिये जारी घोषणापत्र में किये वायदे को ही आकार दिया है।

वरिष्ठ नागरिक इस योजना का लाभ निजी व राजकीय अस्पतालों में ले सकते हैं। वहीं सरकार की ओर से बताया गया है कि जो सत्तर साल से अधिक के नागरिक प्राइवेट बीमा योजना या फिर राज्य कर्मचारी बीमा योजना का लाभ ले रहे हैं, वे भी नई योजना का लाभ लेने के अधिकारी होंगे। लेकिन उन्हें इस योजना के लिये आवेदन करना होगा। सरकार ने फिलहाल इस योजना के लिये करीब साढ़े तीन हजार करोड़ का बजट रखा है और आवश्यकता पड़ने पर बजट बढ़ाने की बात कही है। सरकार ने बजट में स्वास्थ्य के लिए कोटा बढ़ाया है। हालांकि चीन और अमेरिका की तुलना में यह अब भी कम है। मेडिकल सुविधाएं एवं साधन बढ़ाने के साथ यह इंतजाम भी करना होगा कि आम जनता उसका फायदा उठा सके। सरकार का हालिया फैसला इसी दिशा में उठाया गया कदम है, लेकिन यह भी सुनिश्चित करना होगा कि योजना को सही ढंग से लागू किया जाए। मुफ्त उपचार से भी बड़ी जरूरत सत्तर साल की उम्र पार वरिष्ठ नागरिकों की नियमित सेहत जांच की है। अस्पतालों की भीड़ में जांच कराना इनके लिए मुश्किल भरा हो सकता है। ऐसे में बुजुर्गों के घर तक मोबाइल स्वास्थ्य जांच सेवा भी इस योजना में लागू हो तो सोने पर सुहागा हो सकता है। सरकार को भविष्य में वृद्धों के लिये अलग से अस्पताल संचालित करने के बारे में भी सोचना चाहिए।

मंथन

जीवन के लिए ऑक्सीजन की तरह जरूरी है ओजोन

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

दुनिया में हर मनुष्य सुख और आनन्द का जीवन जीना चाहता है। यह प्रकृति का विधान है। मगर मानव सभ्यता के विकास के साथ साथ पृथ्वी पर विचरण करने वाले प्राणी सुख के साथ दु:ख के भी शिकार हुए है। कहीं रोटी, कपडा और मकान का संकट आ खड़ा हुआ तो कहीं मानव जनित समस्याओं से खुद को जूझना पड़ रहा है। नई नई बीमारियों से रू-ब-रू होना पड़ रहा है तो जल, जंगल और पृथ्वी की विभिन्न समस्याओं से दो दो हाथ करने पड़ रहे है। विभिन्न वैश्विक संस्थाओं ने इन सभी संकटों से छुटकारा दिलाने के लिए अनेक समुचित प्रबंध कर मानव को जागरूक और सचेत किया है। ऐसा ही एक ज्वलंत मसला ओजोन परत का है। ओजोन परत के बारे में सामान्यत लोग ज्यादा नहीं जानते है। ओजोन परत ओजोन अणुओं की एक परत है। ओजोन परत हानिकारक पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी पर आने से रोकती है।

विश्व ओजोन परत संरक्षण दिवस हर साल लोगों को ओजोन परत के महत्व और पर्यावरण पर पड़ने वाले उसके प्रभाव के बारे में जानकारी देने के लिए 16 सितम्बर को मनाया जाता है। विश्व ओजोन दिवस 2024 का विषय है मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल: जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाना जो ओजोन परत की रक्षा करने और वैश्विक स्तर पर व्यापक जलवायु के अनुकूल कार्रवाई से जुड़ी पहलों को आगे बढ़ाने में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। इस दिवस को मनाने की यही वजह है कि ओजोन लेयर के बारे में लोगों को जागरूक किया जा सके। साथ ही इसे बचाने के लिए समाधान निकाले जा सके। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की सचिव सुश्री लीना नंदन के मुताबिक बढ़ते तापमान के कारण रेफ्रिजरेटर और एयर

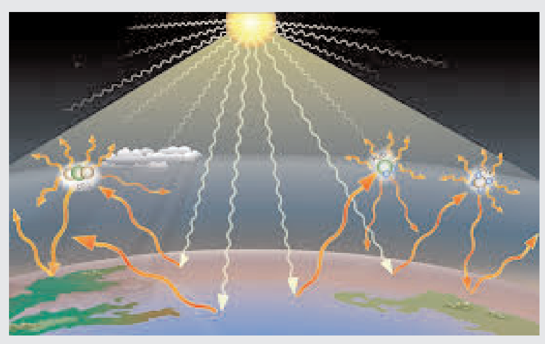

कंडीशनर जैसे कूलिंग सिस्टम का उपयोग बढ़ रहा है, जिससे तापमान में वृद्धि और भी बदतर हो रही है, जिससे एक दुष्चक्र बन रहा है। उन्होंने हाल ही नई दिल्ली में 30वें विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम में बताया मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल को प्रभावी ढंग से लागू करना महत्वपूर्ण है और निश्चित तौर पर यह जलवायु परिवर्तन से निपटने के हमारे व्यापक प्रयासों के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है।

सबसे पहले यह जानना जरूरी है की यह ओजोन परत है क्या और इससे हमें किस बात का खतरा है। ओजोन ऑक्सीजन का अपर रूप होता है यानि ओजोन एक हल्के नीले रंग की गैस होती है। ओजोन ऑक्सीजन के तीन परमाणुओं से मिलकर बनने वाली एक गैस है जो कि वातावरण में बहुत कम मात्रा में पाई जाती है। ओजोन परत सामान्यत धरती से 10 किलोमीटर से 50 किलोमीटर की ऊंचाई के बीच पाई जाती है। जिस प्रकार छाता बारिश से हम को बचाता है वैसे ही यह ओजोन सूर्य के भीषण ताप से पृथ्वी को बचाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह पृथ्वी और पर्यावरण के लिए एक सुरक्षा कवच का कार्य करती है और सूर्य की खतरनाक पराबैंगनी (अल्ट्रा वायलेट) किरणों से हमें बचाती है। ओजोन परत, गैस की एक नाजुक ढाल है। पृथ्वी को सूर्य की किरणों के हानिकारक प्रभाव से बचाकर हमारे जीवन को संरक्षित रखने में हमारी मदद करती है। बिना ओजोन परत के हम जिंदा नहीं रह सकते क्योंकि इन किरणों के कारण कैंसर जैसी भयावह बीमारी, फसलों को नुकसान और समुद्री जीवों को खतरा पैदा हो सकता है। वैज्ञानिकों का मानना हैं कि ओजोन परत के बिना धरती पर जीवन का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। संतुलन बिगड़ता है, सर्दियों की तुलना में अधिक गर्मी होती है, सर्दियां अनियमित रूप से आती हैं और ग्लेशियर पिघलने शुरू हो जाते हैं। विभिन्न कारणों से ओजोन परत में छेद होने से पर्यावरण संकट उत्पन्न हो गया मगर अब यह छेद बंद होने से संकट टल गया है।

ओजोन परत हमारे पर्यावरण की ढाल है, जो हमें सूर्य की हानिकारक किरणों से बचाती है। इसे बचाने की जिम्मेदारी हम सभी की है और इस दिशा में छोटे-छोटे कदम भी बड़े परिवर्तन ला सकते हैं। ओजोन आक्सीजन के तीन परमाणुओं से मिलकर बनने वाली एक गैस है। ओजोन परत गैस की एक नाजुक परत है जो पृथ्वी को सूर्य की किरणों के हानिकारक प्रभाव से बचाने का काम करती है और इस प्रकार यह पृथ्वी पर जीवन को संरक्षित करने में अहम भूमिका निभाती है। ये मनुष्य के साथ पेड़-पौधों और जानवरों के लिए भी बेहद खतरनाक को सकती है। पृथ्वी अनमोल है। इसी पर आकाश है, जल, अग्नि, और हवा है। इन सबके मेल से सुंदर प्रकृति है। आज हमारी पृथ्वी पर जो इतना बड़ा संकट आ खड़ा है यदि समय रहते इसका निदान-निराकरण नहीं हुआ तो हमें बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। अगर हमें पृथ्वी को बचाना है तो हमें विश्व ओजोन परत दिवस पर संकल्प लेना चाहिए कि हम पृथ्वी और उसके वातावरण को बचाने का प्रयास करेंगे। धरती को प्रदूषित होने से बचाएंगे। बिजली कि बचत करेंगे और वातावरण को शुद्ध बनाने के हर कार्य को जिम्मेदारी से निभाएंगे ताकि हमारी पृथ्वी और आकाश को हरदृष्टि से सुरक्षित और संरक्षित रखा जा सके।

नजरिया

आर्थिक तंत्र पर बोझ बनती प्राकृतिक विपदाएं

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

आपदा सदैव अनअपेक्षित घटना होती है। जो मानवीय नियंत्रण से सदैव से बाहर होती है। प्राकृतिक आपदा अल्प समय में बिना किसी पूर्व सूचना के घटित होती है, जिससे मानव जीवन के सारे क्रियाकलाप अवरुद्ध हो कर,जान और माल की बड़ी हानि होती है । आर्थिक तंत्र,विकास नष्ट हो जाते हैं। आपदा की विद्रूपता, भयानक स्वरूप एवं निरंतरता मानव जीवन और समाज और देश को बड़ी हानि पहुंचाकर उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी चोट करते हैं राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पीछे खींच कर ले जाते हैं।

आपदा प्रबंधन में जापान से सीख ली जा सकती है। क्योंकि जापान आपदा प्रबंधन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में अवस्थित है, जहां भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं सदैव आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक को याकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबंधन की साल भर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर एक्सरसाइज की जाती रहती है, एवं आपदाओं पर निरंतर निगरानी तथा नजर रखी जाती है,एवं इसके निदान के लिए पूर्व से ही सुनियोजित योजना बनाकर नागरिकों को सुरक्षित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबंधन को अपनाकर अन्य आपदाओं के साथ सतर्क होकर कार्रवाई की जानी चाहिए।

आपदाओं के प्रति मानवीय सभ्यता के संदर्भ में समाज के आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को ज्यादा प्रभावित करती है एवं समाज का सबसे संवेदनशील तबका यानी वृद्ध व्यक्ति, महिलाएं, बच्चों, दिव्यांग लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग के व्यक्ति तथा मजदूर तबके के व्यक्ति प्रभावित होतें हैं उनकी दिनचर्या सामूहिक रूप से छिन्न-भिन्न हो जाती है आर्थिक साधन भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे उसे आजीविका की एक बडी विडंबना सताने लगती है।

भारत के भू भाग का लगभग 58 प्रतिशत क्षेत्र भूकंप की संभावना वाला क्षेत्र है, जिसमें हिमालयिन क्षेत्र,पूर्वोत्तर राज्य, गुजरात का कुछ क्षेत्र, अंडमान निकोबार द्वीप समूह भूकंप की दृष्टि से सबसे सक्रीय क्षेत्र रहें है। देश के 65 से 68 प्रतिशत भूभाग पर कभी कम कभी ज्यादा भीषण रूप से सूखा पड़ता है, इसी तरह भारत के पश्चिमी और प्रायद्वीपीय राज्य में मुख्यतः शुष्क तथा अर्ध शुष्क न्यून नमी वाले क्षेत्र सूखे से सदैव प्रभावित रहते हैं। बाढ़ से प्रभावित भूमि का विस्तार क्षेत्र देश के 12 प्रतिशत है, यानी 7 करोड़ हेक्टेयर जमीन में भूकंप आने की संभावना सदैव बनी रहती है। हिमालय क्षेत्र देश के पर्वतीय क्षेत्र में भूस्खलन की गंभीर समस्या की संभावना सदैव बनी रहती है। देश के विशाल तटवर्ती क्षेत्र में चक्रवात तथा सुनामी की भयावह स्थिति की संभावना रहती है।भारत नें विश्व के साथ-साथ करोना संक्रमण की भयानक महामारी से प्रभावित होकर हजारों लाखों नागरिकों की जान गवा कर इस आपदा से जंग लडी है, यह कोविड-19 की महामारी या आपदा प्राकृतिक है या मानव निर्मित यह तो भविष्य ही बताएगा, किंतु इस महामारी ने पूरे वैश्विक स्तर पर आकस्मिक रूप से मानव जीवन में मृत्यु का तांडव मचा के रख दिया था। ऐसी ही अनपेक्षित आपदाओं का पूर्वानुमान अथवा आकलन किया जाना पहले से संभव नहीं हो सकता है। ऐसे में राष्ट्रीय अन्य योजनाओं के साथ-साथ आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अत्यधिक सावधानी पूर्वक योजना तथा विभाग बनाने चाहिए, देश में जापान जैसे देश की तरह आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए अत्याधुनिक आपदा प्रबंधन सिस्टम को तैनात कर तैयार रखने की आवश्यकता होगी।

भारत को आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विभाग को चुस्त-दुरुस्त तथा अत्याधुनिक तकनीक से युक्त रखने की आवश्यकता है। तूफानी चक्रवात, सुनामी, भूस्खलन, भूकंप, सूखा बाढ़ के अलावा अब कोविड-19 यानी करोना संक्रमण जैसी खतरनाक बीमारियां भारत देश को अपना निशाना बना कर रखा है। ऐसे में भारत में मध्यम दर्जे का या निम्न दर्जे का आपदा प्रबंधन सिस्टम किसी भी काम का ना रहेगा, एवं इससे भारी जानमाल की हानि होने की संभावना सदैव बनी रहेगी। आपदा प्रबंधन के इतिहास में 2005 में एक बड़ा परिवर्तन लाया गया भारत सरकार ने आपदा को अपनी कार्ययोजना के एक चक्रीय क्रम के रूप में प्रबंधित किया, जिसमें आपदा आ जाने के बाद इसके बचाव, नुकसान की भरपाई, निदान तथा आपदा आने के पूर्व की तैयारी तथा योजना को मूर्त रूप देने का एक सुनियोजित तरीका तैयार किया गया था। आपदा से खतरे का स्तर सभी इंसानों के लिए सदैव एक जैसा होता है। किंतु समाज के विभिन्न वर्गों में खतरे से निपटने तथा जूझने की क्षमता अलग-अलग होती है। निम्न वर्ग का तबका अन्य लोगों की अपेक्षा आपदा से ज्यादा प्रभावित होता है। अतः सरकार को गरीब तथा वंचित वर्ग के तबके के लिए आपदा प्रबंधन में विशेष प्रावधान दिया जाना चाहिए। आपदाओं के प्रबंधन एवं अनुसंधान व त्वरित कार्रवाई के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान तथा राष्ट्रीय आपदा कार्रवाई बल का गठन किया गया है। यह आपदा राशि कार्रवाई बल पर किसी खतरनाक आपदा की स्थिति में रासायनिक, जैविक, परमाणु विकिरण तथा अन्य प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदा के संबंध में विशिष्ट कार्यवाही के निर्वहन का उत्तरदायित्व है। भारत को आपदा प्रबंधन के सिस्टम पर फिर से आंकलन कर एक नई व्यूह रचना बनाकर गरीब तबके निचले व्यक्ति तथा समग्र रूप से मानव जाति की सुरक्षा के लिए नए-नए उपाय करने चाहिए क्योंकि आपदा कभी बताकर नहीं आती है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

चीन अपने तीसरे विमानवाहक पोत के लिए स्टेल्थ लड़ाकू विमान का परीक्षण कर रहा : रिपोर्ट

बीजिंग/भाषा

चीन अपने तीसरे विमानवाहक पोत 'फुजियान' पर तैनात करने के लिए जे-35 नामक एक नए स्टेल्थ लड़ाकू विमान का परीक्षण कर रहा है। ग्लोबल टाइम्स ने सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के हवाले से बताया कि इस वर्ष की शुरुआत में पहले विमानवाहक पोत 'लियाओनिंग' पर एक नए प्रकार के युद्धक विमान का परीक्षण किया गया था।

इसने कहा कि यह नया विमान लंबे समय से प्रतीक्षित जे-35 हो सकता है, जो चीन का अगली पीढ़ी का स्टेल्थ लड़ाकू जेट है।

चीन के पास वर्तमान में दो विमानवाहक पोत हैं। इनमें 'लियाओनिंग' सोवियत युग के जहाज का नवीनीकरण है तथा 'शांदोंग' स्वदेश निर्मित दूसरा विमानवाहक पोत है जिसे 2019 में सेवा में शामिल किया गया था।

इसका तीसरा विमानवाहक पोत 'फुजियान' दोनों पोतों से बड़ा है तथा वर्तमान में इसका परीक्षण किया जा रहा है।

'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' अखबार ने कहा कि जे-35 को 'शेनयांग एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन' द्वारा जे-20 के बाद पांचवीं पीढ़ी के चीन के दूसरे लड़ाकू जेट के रूप में विकसित किया जा रहा है।

इमरान खान ने जेल में पूछताछ के बाद अपने विरोधियों पर निशाना साधा

इस्लामाबाद/भाषा

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट के लिए पूछताछ किए जाने के एक दिन बाद रविवार को प्रधान न्यायाधीश, सेना और अपने प्रतिद्वंद्वी राजनेताओं समेत अपने विरोधियों पर तीखा हमला बोला।

रावलपिंडी की अदियाला जेल से अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक संदेश में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक खान (71) ने कहा कि सरकार शीर्ष न्यायपालिका से संबंधित नियमों में बदलाव के लिए कथित तौर पर एक संवैधानिक संशोधन पेश करने जा रही है।

उन्होंने कथित तौर पर न्यायपालिका को नियंत्रित करने के लिए कानूनों में बदलाव करने की कोशिश को लेकर सरकार पर निशाना साधा।

खान ने कहा, कब्जाधारी माफिया और उसके संचालक राष्ट्रीय हित की परवाह किए बिना केवल अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहे हैं। इसी कड़ी के तहत न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर हमला किया जा रहा है। देश की सभी संस्थाएं नष्ट हो चुकी हैं। एक सर्वोच्च न्यायालय ही है जो देश की आखिरी उम्मीद और सहारा है।

खान ने आरोप लगाया कि ''संवैधानिक संशोधन के माध्यम से देश की इस आखिरी उम्मीद को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है और एक बार फिर पसंदीदा व्यक्ति को विस्तार देने के लिए देश की पूरी संस्था व प्रणाली को दांव पर लगाया जा रहा है।''

उन्होंने कहा, मानवाधिकारों के उल्लंघन और चुनावी धोखाधड़ी की पारदर्शी जांच से बचने के लिए नए संवैधानिक संशोधनों के माध्यम से (प्रधान न्यायाधीश) काजी फैज ईसा को साथ लाने का प्रयास किया जा रहा है।

मीडिया में आई खबर के अनुसार, संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की जांच और तकनीकी अधिकारियों वाली टीम खान से उनके आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर एक विवादास्पद पोस्ट के संबंध में पूछताछ करने के लिए शनिवार को अदियाला जेल पहुंची थी।

'डॉन' समाचार पत्र ने सूत्रों के हवाले से बताया था कि एफआईए ने खान के खिलाफ सरकारी अधिकारियों को विद्रोह के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है।

बांग्लादेश को 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता मुहैया कराएगा अमेरिका

ढाका/भाषा

बांग्लादेश को विकास संबंधी परियोजनाओं, युवाओं को सशक्त बनाने, लोकतंत्र को मजबूत करने, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने और देश में लोगों के लिए व्यापार एवं आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका करीब 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता मुहैया करेगा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आर्थिक संबंध प्रभाग के अतिरिक्त सचिव एकेएम शहाबुद्दीन और यूएसएआईडी (यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट) के मिशन निदेशक रीड जे. एस्क्लिमन ने अपने-अपने देश की सरकारों की ओर से ढाका में 'द डेवलपमेंट ऑब्जेक्टिव ग्रांट एग्रीमेंट (डीओएजी)' के छठे संशोधन पर हस्ताक्षर किए।

सरकारी स्वामित्व वाली 'बीएसएस' समाचार एजेंसी ने बताया कि समझौते के तहत, यूएसएआईडी सुशासन, सामाजिक, मानवीय और आर्थिक क्षेत्रों में अवसरों को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश को 20.22 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुदान प्रदान करेगा।

यूएसएआईडी-बांग्लादेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यूएसएआईडी ने विकास संबंधी कार्यों, युवाओं को सशक्त बनाने, लोकतंत्र और शासन को मजबूत करने, स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार और पूरे देश में लोगों के लिए व्यापार एवं आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश सरकार के साथ 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक के समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इससे पहले रविवार को, अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने एक उच्च-स्तरीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर बांग्लादेश के पुनर्निर्माण, महत्वपूर्ण सुधारों को पूरा करने के संबंध में अमेरिका से सहयोग का आग्रह किया।

अंतरिक्ष की सैर करके धरती पर लौटे अरबपति जेरेड आइजैकमैन

केप केनवरल/एपी

अरबपति प्रौद्योगिकी उद्यमी जेरेड आइजैकमैन अपने साथियों के साथ पांच दिन की अंतरिक्ष की सैर करके रविवार को धरती पर लौट आए। 'स्पेसएक्स' का 'ड्रैगन' नामक एक यान आइजैकमैन, स्पेसएक्स के दो इंजीनियरों और वायुसेना के पूर्व पायलट को लेकर रविवार तड़के फ्लोरिडा के ड्राई टॉर्टुगस द्वीप के निकट मैक्सिको की खाड़ी में उतरा। उन्होंने पृथ्वी से लगभग 460 मील (740 किलोमीटर) ऊपर, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन और हबल स्पेस टेलीस्कोप से भी अधिक ऊंचाई पर पहली निजी यात्रा की। मंगलवार को उड़ान भरने के बाद उनका अंतरिक्ष यान 875 मील की ऊंचाई पर पहुंच गया था।

मालदीव, भारत ने संबंधों में खटास के बाद 'गलतफहमियां' दूर कर लीं : जमीर

माले/भाषा

मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने स्वीकार किया है कि राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के नेतृत्व वाली सरकार के शुरुआती दिनों में भारत-मालदीव संबंध कठिन दौर से गुजरे, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों ने 'गलतफहमियां' दूर कर ली हैं।

जमीर ने शुक्रवार को श्रीलंका की यात्रा के दौरान यह टिप्पणी की। उन्होंने चीन और भारत सहित अन्य प्रमुख सहयोगियों के साथ अच्छे रिश्ते कायम करने के महत्व पर जोर दिया।

जमीर ने कहा कि भारत के साथ संबंधों में चुनौतियों का सामना करना पड़ा, खास तौर पर मालदीव से भारतीय सैनिकों की एक छोटी टुकड़ी हटाने के राष्ट्रपति मुइज्जू के अभियान के बाद से। उन्होंने कहा कि मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी के बाद दोनों देशों के बीच 'गलतफहमियां' दूर हो गई हैं। 'द एडिशन' समाचार पत्र ने जमीर के हवाले से लिखा, ''आप जानते ही हैं, हमारी सरकार के शुरुआती दिनों में (भारत के साथ) कुछ तल्खी थी।

हमारे भारत और चीन से अच्छे रिश्ते हैं तथा दोनों देशों ने मालदीव का समर्थन करना जारी रखा है।'' मुइज्जू को चीन के प्रति झुकाव रखने के लिए जाना जाता है। उनके राष्ट्रपति पद पर काबिज होने के बाद भारत-मालदीव संबंध में खटास पैदा होने लगी। शपथ लेने के कुछ ही घंटों के भीतर मुइज्जू ने भारत से मालदीव को उपहार में दिए गए तीन सैन्य प्लेटफॉर्म पर तैनात भारतीय सैनिकों को वापस बुलाने की मांग की थी। दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद भारतीय सैनिकों की जगह वहां तकनीकी कर्मियों की तैनाती की गई थी। मालदीव के तीन उप मंत्रियों द्वारा सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी किये जाने के बाद दोनों देशों के रिश्तों में तनाव और बढ़ गया। मालदीव के विदेश मंत्रालय ने खुद को इन टिप्पणियों से अलग कर लिया। बाद में, ये तीनों मंत्री भी निलंबित कर दिए गए। मुइज्जु ने पद संभालने के बाद अपने पूर्ववर्तियों के विपरीत नई दिल्ली की यात्रा नहीं की। वह सबसे पहले तुर्किये गए और फिर जनवरी में अपनी पहली राजकीय यात्रा के लिए चीन को चुना। वह नौ जून को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।

भारत ने वियतनाम को भेजी जरूरी राहत सामग्री

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने म्यामां, लाओस और वियतनाम को एक बड़े तूफान के प्रभाव से निपटने में मदद पहुंचाने के लिए रविवार को 'सद्भाव' अभियान के तहत जरूरी राहत सामग्री भेजी। म्यामां, लाओस और वियतनाम के विभिन्न हिस्से भयंकर बाढ़ की चपेट में हैं। इन तीन देशों में एशिया का सबसे बड़ा तूफान 'यागी' आया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि राशन, कपड़े और दवाइयों समेत 10 टन राहत सामग्री नौसेना के जहाज आईएनएस सतपुड़ा से म्यामां भेजी गयी है।

शिवकार्तिकेयन ने 'अमरन' के लिए डबिंग पूरी की

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के जाने माने अभिनेता शिवकार्तिकेयन ने अपनी आने वाली तमिल फिल्म 'अमरन' के लिए डबिंग पूरी कर ली है। राजकुमार पेरियासामी निर्देशित फिल्म अमरन 31 अक्टूबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में साई पल्लवी, राहुल बोस और भुवन अरोड़ा भी मुख्य भूमिकाओं में शामिल हैं।कश्मीर की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म एक्शन से भरपूर होगी। इस फिल्म में शिवकार्तिकेयन मेजर मुकुंद वरदराजन की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि साई पल्लवी ,मुकुंद की पत्नी सिंधु का किरदार निभा रही हैं। अमरन की डबिंग के बारे में अपडेट राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा किया गया। पोस्ट में लिखा गया है, मिशन पूरा हुआ! अमरनडबिंग का समापन अमरन अमरन दिवाली अमरनअक्टूबर31 उलगनायगन कमलहासन शिवकार्तिकेयन साईपल्लवी राजकुमारपेरियासामी राजकुमारकेपी की एक फिल्म।निर्माताओं ने डबिंग स्टूडियो से एक वीडियो भी जारी किया है। कमल हासन, आर. महेंद्रन और सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, सह-निर्माता के रूप में गॉड ब्लेस एंटरटेनमेंट के साथ, फिल्म अमरन , शिव अरूर और राहुल सिंह द्वारा लिखित पुस्तक श्रृंखला इंडियाज मोस्ट फियरलेस: ट्रू स्टोरीज ऑफ मॉडर्न मिलिटरी का रूपांतरण है, जो मुकुंद वरदराजन पर आधारित है।

20 को रिलीज होगी फिल्म 'चिंटू की दुल्हनिया'

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी फिल्मों के चॉकलेटी स्टार प्रदीप पाडेय चिंटू की बहुप्रतीक्षित फ़िल्म चिंटू की दुल्हनिया 20 सितंबर को रिलीज होगी। फ़िल्म चिंटू की दुल्हनिया में हॉरर ,हास्य और रोमांस के साथ एक्शन का कॉम्बिनेशन देखने को मिलेगा। इस फ़िल्म में चिंटू के दादाजी के रूप में परिवार के मुखिया का आतंक दिखता है जिनका शासन पूरी फिल्म के दौरान दर्शको को उनकी घर के बुजुर्गों की याद दिलाने को मजबूर करता है । 20 सितम्बर को रिलीज होने जा रही जॉली हिट्स एंटरटेनमेंट प्रस्तुत भोजपुरी हॉरर-कॉमेडी फ़िल्म चिंटू की दुल्हनिया के निर्माता मुकेश जवाहिर चौहान है, वहीं सह निर्माता राम सिंह चौहान, भंवर सिंह, दिलीप कुमार पांडेय, शिवकुमार रमेश जायसवाल और शैलेन्द्र गुप्ता हैं। इस फ़िल्म के मुख्य कलाकार प्रदीप पांडेय चिंटू, यामिनी सिंह, शिल्पी राघवानी, देव सिंह, प्रमोद माउथो , राम सुजान सिंह, मनोज द्विवेदी, महेश आचार्या, पुष्पेंद्र कुमार, सोनिया मिश्रा, रश्मि शर्मा, नेहा सिंह, पूर्वी, राधे कुमार, कृष्णा कुमार सोनी, अमन चौहान, कृष कुमार, अंकित चौहान हैं। फ़िल्म चिंटू की दुल्हनिया में लिखे छोटू यादव के गीतों को संगीत से छोटे बाबा ने सजाया है,जिनपर नृत्य निर्देशन कानू मुखर्जी, राम देवन और महेश आचार्य की तिकड़ी ने किया है। फ़िल्म की कथा, पटकथा और संवाद वीरू ठाकुर ने लिखे हैं। वहीं फ़िल्म के निर्देशक चंदन सिंह हैं। चिंटू की दुल्हनिया की सिनेमेटोग्राफी समीर सैय्यद ने की है और फ़िल्म में मारधाड़ दिलीप यादव का है,ई .पी .सरोज मिश्रा हैं।

प्रियंका चोपड़ा की मराठी फिल्म 'पाणी' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा निर्मित फिल्म पाणी का टीजर रिलीज हो गया है। प्रियंका चोपड़ा और उनकी मां मधु चोपड़ा ने फिल्म पाणी का निर्माण किया है। इस फिल्म को प्रियंका चोपड़ा की प्रोडक्शन कंपनी 'पर्पल पेबल पिक्चर्स' के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है। यह फिल्म महाराष्ट्र के नांदेड़ के सूखाग्रस्त गांव नागदेरवाड़ी पर आधारित है। मराठी फिल्म 'पाणी' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। टीजर में आमिर खान की भी झलक देखने को मिली है। प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पाणी के टीजर को शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है कि, 'यह एक कहानी से कहीं अधिक है. यह अस्तित्व की लड़ाई है। फिल्म पाणी का निर्देशन आदिनाथ कोठारे ने किया हैजो इस फिल्म में मुख्य भूमिका में भी हैं।वहीं फिल्म में सुबोध भावे, किशोर कदम और रुचा वैद्य भी अहम रोल में हैं। यह फिल्म सिनेमाघरों में 18 अक्टूबर 2024 को रिलीज होगी।

प्रियंका चोपड़ा ने कहा, पर्पल पेबल पिक्चर्स के माध्यम से हम ऐसी कहानियां लाना चाहते हैं, जिन्हें सुनने की जरूरत है और ऐसी कहानियां जो चिंताओं पर ध्यान केंद्रित करती हैं और हमारी फिल्म 'पाणी' उन सभी चीजों का प्रतीक है, जिन पर हम विश्वास करते हैं। यह फिल्म खास है और आज के समय के लिए है। कहानी आपको प्रभावित करेगी, प्रेरित करेगी। मैं बेहद रोमांचित हूं और लोगों द्वारा इसे देखने का इंतजार नहीं कर सकती।'

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 2' के साथ कपिल शर्मा की वापसी

मुंबई/एजेन्सी

कपिल शर्मा, सुनील ग्रोवर, कीकू शारदा, राजीव ठाकुर, कृष्णा अभिषेक और अर्चना पूरन सिंह 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के दूसरे सीजन के साथ वापस आ रहे हैं। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 2 के निर्माताओं ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर शो का ट्रेलर जारी किया, जिससे प्रशंसकों को आने वाले समय की एक झलक मिल गयी।ट्रेलर मज़ेदार वन-लाइनर्स और मनोरंजक क्षणों से भरा है। एक हिस्से में, कपिल शर्मा अपने सेलिब्रिटी मेहमानों को साड़ियों और उनके डिजाइनरों की पहचान करने की चुनौती देते हैं। महीप कपूर ने जाने-माने डिजाइनर मनीष मल्होत्रा द्वारा बनाई गई एक खूबसूरत साड़ी का नाम बताया। सीज़न में बॉलीवुड अभिनेता आलिया भट्ट, सैफ अली खान, जान्हवी कपूर, जूनियर एनटीआर, करण जौहर और महीप कपूर सहित एक रोमांचक अतिथि इस सीजन का हिस्सा रहेंगे। वेदांग रैना, सीमा सजदेह, नीलम कोठारी और भावना पांडे जैसे अन्य सेलिब्रिटी मेहमान भी इस मौज-मस्ती में शामिल होंगे।

एक विशेष एपिसोड में, टी20 विश्व कप चैंपियन रोहित शर्मा, सूर्य कुमार यादव और अर्शदीप सिंह भी उपस्थित होंगे। निर्माताओं ने ट्रेलर पोस्ट में एक कैप्शन जोड़ा, जिसमें कहा गया, जब आपके पसंदीदा मेहमान कपिल और गैंग से मिलेंगे, तो शनिवार का फनीवार बनना पक्का है।

21 सितंबर से द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 2 देखें रात 8 बजे, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर! 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के पहले सीज़न में आमिर खान, अभिनेता रणबीर कपूर और उनका परिवार, क्रिकेट रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर, अंतर्राष्ट्रीय पॉप आइकन एड शीरन और मनोरंजन और खेल जगत के कई आइकन जैसे मेहमान शामिल हुए थे।

कश्मीर में लैला के नाम से मशहूर है तृप्ति डिमरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी कश्मीर में 'लैला' के नाम से मशहूर है। तृप्ति डिमरी की फिल्म लैला मजनू वर्ष 2018 में प्रदर्शित हुई थी।उस वक्त यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं कर पाई थी। हाल ही में इस फिल्म को दोबारा रिलीज किया गया, जिसे दर्शकों ने बेहद पसंद किया। तृप्ति डिमरी ने बताया,आज भी मैं अगर कभी कश्मीर जाती हूं, तो वहां के लोग मुझे लैला ही बुलाते हैं। फिल्म लैला मजनू की शूटिंग जम्मू-कश्मीर में हुई है। मैं खुश हूं कि लोग मेरे किरदार से आज भी इतना जुड़े हैं। मेरे लिए यही सफलता है। बॉक्स ऑफिस के नंबर से ज्यादा लोगों का प्यार काम करता है।

जब 'लैला मजनू' रिलीज हुयी थी, तब मुझे लगा था कि यह तो जरूर हिट होगी। मैं बहुत नई थी, मुझे नहीं पता था कि इंडस्ट्री में काम कैसे होता है। मुझे लगा था कि मैं बड़ी स्टार बन जाऊंगी और लोग

मुझे पहचानने लगेंगे, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। फिल्म के छह साल बाद भी ऐसा एक भी दिन नहीं गया, जब मुझे उस फिल्म के लिए मैसेज नहीं आता है या मैं किसी से कहीं टकरा जाऊं, तो 'लैला मजनू' का जिक्र न हो। यही किसी फिल्म की असली सफलता होती है।

राधिका मदान ने करीना कपूर खान के साथ मुलाकात को किया याद

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री राधिका मदान ने करीना कपूर के साथ अपनी मुलाकात को याद किया है। राधिका मदान भारतीय सिनेमा की प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। 'पटाखा' से अपने प्रभावशाली डेब्यू से लेकर विभिन्न भूमिकाओं में शानदार प्रदर्शन, जैसे 'अंग्रेजी मीडियम' और हाल ही में रिलीज़ हुई 'सरफिरा', तक राधिका मदान ने अपने दमदार अभिनय के बल पर जल्दी ही अपनी पीढ़ी की सबसे होनहार प्रतिभाओं में जगह बना ली है। हाल ही में एक इंटरव्यू में राधिका मदान ने करीना कपूर खान के बारे में खुलकर बात की और उनके साथ अपने फैन गर्ल मोमेंट को याद किया। राधिका ने कहा, बचपन से ही मैंने खुद को करीना कपूर की तरह समझा है। करीना तो करीना है, और उनसे मैंने ये सीखा है कि खुद से प्यार करना कितना ज़रूरी है... जब मैंने काम करना शुरू किया, तो मुझे अहसास हुआ कि जो भी इंडस्ट्री में चलता है, लोग वही करते हैं। चाहे वो शरीर का आकार हो, चेहरा हो, कद हो या कुछ और। जब मुझे ऐसी प्रतिक्रिया मिली, तो मैंने सोचा, यदि हर कोई एक जैसा बन जाए तो दर्शकों के लिए रोमांचक क्या रहेगा? मैंने करीना कपूर को बड़े होते देखा है। वह एक उदाहरण सेट करती हैं, मैं देख सकती थी कि वह अलग हैं और उनका काम भी।हर इंसान अलग होता है, तो यदि मैं किसी की नकल करूं, तो मैं बस एक नकल ही रहूंगी। जो मैं दे सकती हूं, वह है मेरी अनूठी पहचान। राधिका ने कहा, जब मुझे पता चला कि करीना 'अंग्रेजी मीडियम' में हैं और मेरा उनके साथ एक सीन है जिसमें मेरी कोई डायलॉग नहीं थी, उस दिन मैं कांप रही थी। मेरे पास एक वीडियो है जिसमें मैंने 'हेलो' कहने की लगभग सौ बार रिहर्सल की थी। लेकिन जब मैं उनसे मिली, तो मुझे बहुत खुशी हुई और उन्होंने मुझे लंच के लिए आमंत्रित किया।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब शरीर में कांटा चुभ जाए तो शरीर में वेदना का लावा फूटता है। फिर उस कांटे को निकाल दो तो राहत मिल सकती है, लेकिन कुछ देर तक वेदना तो रहती ही है। कांटा निकालना आसान है लेकिन बोलते समय हमारे शब्द कटु बन गए तो वह लंबे अरसे तक दर्द का कारण बन जाते है। इसलिए ज्ञानी कहते हैं बोलते समय सावधान रहना जरूरी है। हमारे शब्दों के भाव लंबे अरसे तक रहते हैं। अगर ग़लती से बचना है, उसका निराकरण, प्रमार्जन करना है तो सत्य बोलो। गलती करके झूठ बोलना और बड़ी ग़लती हो जाती है। सत्य बोलने से यह विश्वास जम जाता है कि वह व्यक्ति झूठ नहीं बोल सकता।

तप, त्याग व साधना से जुड़ा है आचार्य जयमल का जीवन : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी के सान्निध्य में आचार्य जयमलजी महाराज की 317वीं जन्म जयंती पर गुणानुवाद एवं पुच्छिस्सुणं संपुट की पांचवीं गाथा का जाप हुआ। उन्होंने आचार्य जयमलजी महाराज का स्मरण करते हुए कहा कि आज का यह पावन दिन विशिष्ट पर्व के रूप में बदल गया, जब इस दिन जन्मे एक बालक ने अपने जीवन में हर कदम पर इतिहास बनाया। ऐसा तेजस्वी बालक मारवाड़ में लाम्बिया के समदड़िया परिवार में जन्मा। उसका नाम जयमल रखा गया क्योंकि उसका मुखमंडल विशेष आभा लिए हुए था। अपनी उम्र में आगे बढ़ते हुए उनका विवाह लक्ष्मीदेवी के साथ हो गया। उन्होंने कहा आज विवाह के नाम पर हमने समस्याओं को जन्म दिया है। जो विवाह के बंधन में बंध चुके थे लेकिन लक्ष्मीदेवी पीहर में ही थी। जयमल को व्यापार में भी बहुत व्यवहारिकता थी। केवल पैसा लेना या देना ही व्यापार नहीं है लेकिन उन्होंने पूर्वजों के संस्कारों को मजबूती से निभाया।

उन्होंने कहा लाख जाए पर साख न जाए, यह उनका सिद्धांत था। नफा- नुकसान तो व्यापार का अभिन्न अंग है। बाजार में उनके प्रति विश्वास की भावना थी। 22 वर्ष की आयु में वे मेड़ता शहर गए थे। बाजार बंद देखकर जानकारी ली, पता चला कि वहां गुरूदेव आचार्य भूधरजी महाराज आए हुए हैं। वे भी मित्रों के साथ प्रवचन सभा में पहुंचे। एक बार जिनवाणी श्रवण कर संसार के सुखों को छोड़कर वे संयमी बने। उनकी दीक्षा ग्रहण करने का लक्ष्य था क्षणिक सुखों से मुक्त बन शा्वत सुखों को प्राप्त करना। दीक्षा के पहले ही उन्होंने ब्रह्मचर्य की प्रतिज्ञा ले ली। उन्होंने मात्र तीन घंटों में प्रतिक्रमण सूत्र को कंठस्थ कर लिया और आगमों का गहन अध्ययन किया। उन्होंने 50 वर्ष तक लेटकर शयन नहीं किया। उन्होंने संयम और तप के प्रभाव से जनता में त्यागमयी परंपरा के दरवाजे खोल दिए। उन्होंने बड़ी साधु वंदना की रचना की। इसका महत्व यह है कि स्वाध्याय का अवसर नहीं है तो यह साधु वंदना 100 गाथाओं का लाभ देगी।

उन्होंने कहा यदि महापुरुषों के प्रति आस्था रखते हैं तो कर्मनिर्जरा होती है। यदि महापुरुषों का नाम हमारे से जुड़ा है तो हमें भी जीवन में कुछ तो अच्छा करना चाहिए। यह समर्पण, आस्था होनी चाहिए। गुरु, धर्म के प्रति आस्था हो तो स्वयं व दूसरों की समस्याओं को सुलझा सकते हैं। उन्होंने कहा गुणगान उसी का होता है जिसने त्याग व बलिदान किया हो। उन्होंने जिनशासन की बगिया को महकाया और चमकाया। उन्होंने अनेक राजा व महाराजाओं को नैतिक शिक्षा दी, उनके जीवन को धर्म में प्रवेश कराया। उन्होंने जिनशासन पर जो उपकार किया है, भाव से जीवन में प्रेरणा लें। युवाचार्यश्री ने पुच्छिस्सुणं संपुट जाप की पांचवीं गाथा का विश्लेषण करते हुए कहा कि इसमें छोटी छोटी बातों की विशेषताओं का समावेश है। सुधर्मा स्वामी जिज्ञासुओं को प्रभु का वर्णन बताते हैं। परमात्मा सर्वदर्शी थे। वे सब तत्वों को जानने, देखने वाले थे। उन्होंने अपने अंदर रहे हुए ज्ञान के आवरण को निरस्त कर दिया था, इसलिए यह विजय दिलाने में सहायक है। परमात्मा दुषित गंध, तत्व से रहित है। उन्होंने कहा अनादिकाल से हमारे भीतर दुषित तत्व जमा है। हमें उन्हें दूर करना है। परमात्मा ने कभी दोषपूर्ण आहार ग्रहण नहीं किया। सहज में ही कितनी सहनशीलता थी उनमें। वे आहार के भरोसे नहीं थे। वे अपने आपमें स्थिर थे। ऐसे परमात्मा संपूर्ण जगत में श्रेष्ठ है। कोई ग्रंथि उनके अंदर में नहीं थी। वे अभय, निर्भय, परिग्रह से रहित, औरों को भी निर्भय देते थे। ऐसी स्तुति आज हमने की। परमात्मा के गुणगान तन मन को निर्मल बनाने वाले हैं। यह साधना हमें जीवन में पवित्रता की ओर आगे बढ़ाने वाली है। इस दौरान आचार्य जयमलजी महाराज के गुणों को दर्शाने वाले गीतों की प्रस्तुति दी गई। रविवार को आनंद बाल संस्कार शिविर का आयोजन हुआ। निर्मला विवेक बोथरा ने 16 उपवास की पचकावनी ली। पायल अनिल कोठारी व यशवंती दिनेश मुथा ने अठाई तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। इस मौके पर बेंगलूरु से अशोक रांका परिवार व बेंगलूरु और चालीसगांव से अन्य गुरुभक्त युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित हुए। राकेश विनायकिया ने संचालन किया।

अंतरिक्ष पार्श्वनाथ भावयात्रा

कोयम्बटूर/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। यहां के आरएस पुरम् स्थित राजस्थानी निवास भवन में रविवार को अंतरिक्ष पार्श्वनाथ भाव यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शंकेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर में विराजित केसरी समुदाय के पन्यासश्री अर्पनप्रभविजयजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि हर जैन को प्राचीन अंतरिक्ष पार्श्वनाथ तीर्थ का दर्शन के लिए यात्रा करना चाहिए।

पंन्यासश्री ने पूरे अंतरिक्ष पार्श्वनाथ तीर्थ के बारे में जानकारी दी। इस भाव यात्रा में पावर प्वाइंट और एलईडी स्क्रीन का इस्तेमाल सुंदर ढंग से प्रस्तुति दी गई। सबका स्वागत मंदिर अध्यक्ष भानु भाई ने किया और संचालन नीलेश शाह ने किया।

पैदल संघ यात्रा में गूंजे बाबा के जयकारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पोरूर काटुपाकम अयापतगल, कोलापकम, कुडातुर, मंगाडू, मनापकम क्षेत्र से करीब 1100 श्रद्धालुओं का पैदल संघ यात्रा रवाना हुआ। श्रद्धालु हाथों में ध्वज लिए बाबा की जयकारें लगाते एक कोड वेशभूषा में चल रहे थे। जो आकर्षक का केंद्र रहा।

संघ यात्रा 22 किलोमीटर पैदल चलने के बाद साहुकारपेट मिट स्ट्रीट स्थित बाबा रामदेव मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की। मंदिर में श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत भी किया गया। इस अवसर पर सुरेश, सुखलाल, मुकेश, आणंदाराम सहित बडी संख्या मे रास्ते में अच्छी सेवा दी गई पानी बिस्कुट जूस चाय की उनका अच्छा सहयोग रहा।

सोशल मीडिया पर हिन्दी दिवस कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी चेन्नई ने अपने कार्यक्रम का विस्तार करते हुए 14 सितंबर से एक नया कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। सोशल मीडिया पर आयोजित कार्यक्रम में प्रत्येक माह देश के एक वरिष्ठ साहित्यकार को बुलाने का योजना के तहत हिन्दी दिवस पर पहले आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा पानीपत की प्रसिद्ध साहित्यकार सोनिया सोनम को आमंत्रित किया गया था इनके साथ-साथ तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी से जुड़े साहित्यकार भी इसमें उपस्थित थे। पहली बार आयोजित यह कार्यक्रम पूरी सफलता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में स्वागत भाषण डॉ निर्मला एस मौर्य, पूर्व कुलपति, वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर ने दिया और इस नए कार्यक्रम पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए अकादमी के सचिव ईश्वर करूण ने कहा कि इस आयोजन से तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी ने देश के प्रसिद्ध साहित्यकारों से जुड़ने का एक नया अध्याय शुरू किया है। गौरतलब है कि तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी का फेसबुक समूह 14 सितंबर 2020 से शुरु हुआ था।

कार्यक्रम में साहित्यकार धर्मेंद्र सिंह केशव सिंह(जौनपुर), डा नागेश्वर राव(कांचिपुरम), श्रीमती सीमा, कुमुद वार्ष्णेय , आलोक जायसवाल, डॉ सुनीता जाजोदिया, प्रणव तिवारी, देवानंद झा, ईश्वर करूण, पूजा मिश्रा, डॉ स्वाति पालीवाल, अलमेलु कृष्णण, विकास, डॉ अभिषेक आदि उपस्थित थे।

हम मैसूरु को आध्यात्मिक रुप से जगाने आए हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। रविवार को मैसूरु में आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी ने अपने शिष्य-प्रशिष्यों के साथ वर्षावास के लिए मंगल प्रवेश किया। हजारों की संख्या में देश-विदेश के भक्तगण जैनाचार्य के स्वागत और प्रवेश समारोह में उमड़े। 300 से अधिक स्वयंसेवक, स्वयंसेविकाओं और कर्मचारियों ने चातुर्मास की तैयारियों में एक माह तक अथक परिश्रम किया। राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, मध्यप्रदेश, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और विदेश से करीब 1500 से अधिक श्रद्धालु भक्तगण मैसूर प्रवेश कार्यक्रम में शामिल हुए।

नजरबाद स्थित शिक्षकर सदन के मैदान में वर्षावास के विविध कार्यक्रमों के लिए भव्य पंडाल का उदघाटन जवेरीलाल लुंकड़ परिवार ने दीप प्रज्वलन करते हुए श्रीफल अर्पित कर किया। कोरियोग्राफर अरुण चौधरी के निर्देशन में 35 सदस्यों की टीनएजर्स टीम ने सांस्कृतिक नृत्यों की प्रस्तुति दी।

इस मौके पर अतिथि के रूप में उपस्थित भारतीय वायु सेना के कमांडर ललितकुमार जैन तथा डिप्टी पुलिस कमिश्नर मुत्तुराज शामिल हुए। दोनों अतिथिद्वय ने समाजोपयोगी विचार व्यक्त करते हुए आचार्यश्री आशीर्वाद ग्रहण किया। कल्याण मित्र वर्षावास समिति की ओर से पदाधिकारियों ने लाभार्थी परिवार और अतिथियों का सम्मान किया। वर्षावास प्रवेश समारोह के उपलक्ष्य में मुम्बई के भंवरलाल पालरेचा परिवार ने सभी साधुओं को कंबल अर्पित की। राजेश भंसाली-फ़्यूचरा ग्रुप ने सभी श्रमणों का गुरु पूजन किया। भिवंडी के हेनी शाह ने भक्ति संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। चेन्नई के मनोज राठौड़ ने कार्यक्रम का संचालन किया। अशोक दांतेवाड़िया ने स्वागत भाषण दिया। कांतिलाल चौहान ने कार्यक्रम की संयोजना प्रस्तुत की। लाभार्थियों ने दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि हम मैसूर को जगाने आये हैं। धर्म के अनुसार जीवन जीकर हम अपने मनुष्य जन्म को सफल बना सकते हैं।

राजस्थान विधायक का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मेड़ता विधानसभा के विधायक लक्ष्मणराम कलरू का अभिनन्दन समारोह सम्पन्न हुआ। जिसके प्रायोजक राजेन्द्र हीरावत एवं संयोजक भारत सुराणा रहे। यह समारोह में अभिनन्दन चेन्नई महानगर के जैन समाज के प्रबुद्धगण एवं एवं मेड़ता विधानसभा क्षेत्र के जैन प्रवासी समूह के द्वारा किया गया यह समारोह चेन्नई के इग्मोर के हीरावत पैलेस में हुआ। राजस्थान संस्कृति के प्रतीक रूप कुंकम तिलक से स्वागत खुशी सुराणा ने किया।

मेड़ता विधानसभा के विधायक लक्ष्मणराम (कलरू) ने मंच की शोभा बढाई। गौतमराज सुराणा, प्रकाश खिंवसरा, महेन्द्र बोहरा सुशील ललवाणी, बाबू कोठारी ने मंच को शोभान्वित किया। विधायक लक्ष्मणराम (कलरू) का माला द्वारा स्वागत गौतम दुग्गड़, शॉल द्वारा भारत सुराणा एवं साफा द्वारा राजेन्द्र हीरावत ने सम्मान किया। राजेन्द्र हीरावत व भारत सुराणा व उनकी टीम द्वारा विधायकजी को स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

मानवता की महान विभूति थे आचार्य जयमल : साध्वी राजमती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महापुरुष किसी सम्प्रदाय या समूह के नहीं होते हैं बल्कि वे सम्पूर्ण मानवता के कल्याण के लिए जन्म लेते हैं। साहुकारपेट में आचार्य जयमलजी म. सा. की 317वी जयंति पर आयोजित त्रि दिवसीय समारोह के दूसरे दिन जैन भवन में साध्वीश्री राजमतीजी ने कहा कि आचार्य जयमल जी महाराज सा ने अपनी उत्कृष्ट साधना से न केवल अपने परिवार का बल्कि पूरे जिनशासन का नाम गौरवान्वित किया है।

उन्होंने कहा कि लाम्बिया गांव के उस दिव्य रत्न को भूधर स्वामी जी ने प्रवचन स्थल पर ही पहचान लिया था और उन्हे आभाष हो गया था कि यह पुरूष साधारण नही है बल्कि असाधारण प्रतिभा और योग्यता का स्वामी है।

आचार्य जयमलजी म. सा. के जीवन काल में उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए साध्वी राजमती जी महाराज सा ने कहा कि परिवार के सदस्यों के विरोध के बावजूद उन्होंने सन्यम का मार्ग धारण करने का निश्चय किया था और अपनी असाधारण साधना से जैन समुदाय को प्रज्वलित किया था। इससे पूर्व साध्वी विनयश्रीजी ने कहा कि केवल एक व्याख्यान सुनकर साधना का मार्ग चुनने वाले आचार्य जयमल जी महाराज सा ने केवल 3 घन्टे में प्रतिक्रमण कंठस्थ कर लिया था।

दर्शन लाभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में श्री वर्धमान जैन सेवा संघ(कोयंबटूर)के एक प्रतिनिधि मंडल ने संघ के संरक्षक ज्ञानचंद खारीवाल के नेतृत्व में श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ(मैलापुर)के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. प्रतिभाश्रीजी म. सा., साध्वीश्री ऋषिताश्रीजी म. सा., साध्वीश्री अनुज्ञाश्री जी. म. सा., साध्वीश्री सर्वज्ञाश्रीजी म. सा., साध्वी प्रियांगीश्रीजी म. सा. के प्रवचन श्रवण, दर्शन वंदन व मांगलिक श्रवण के लाभ लेने हेतु रविवार को मैलापुर पहुंचे। प्रतिनिधि मंडल में संघ के पूर्व अध्यक्ष बबलू ललवानी, कार्यकारिणी सदस्य हेमंत भंसाली सहित संघ के संस्थापक राजेश कुमार गादिया आदि शामिल थे। सतिवृंद ने उपस्थित श्रद्धालुओं को ध्यान मुद्रा सहित अनेक दैनिक आत्मशुद्धि के गुर सिखाए और मनुष्य के स्वभाव पर रोचक वर्णन किया। ज्ञातव्य हो की सती मंडल का 2016 का चातुर्मास कोयंबटूर में ऐतिहासिक रहा था।

अक्कीपेट जैन मंदिर में धूमधाम से हुआ आचार्यश्री हीरचन्द्रसूरीश्वर आदि संतों का चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वासूपूज्य स्वामी जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ अक्कीपेट में रविवार को आचार्यश्री हीरचंद्रसूरीश्वरजी सहित अन्य साधु साध्वियों का धूमधाम से चातुर्मास प्रवेश हुआ। रविवार को प्रातः 8.30 बजे चिकपेट सर्कल से शोभायात्रा प्रारम्भ होकर विभिन्न मार्गो से होते हुए अक्कीपेट जिनालय में दर्शन कर संतों ने उपाश्रय में प्रवेश किया। इस अवसर पर संघ के अनेक ट्रस्टीगणों सहित विशाल जन मेदनी की उपस्थिति में आचार्यश्री ने चातुर्मास के महत्व को बताते हुए कहा कि वर्षा काल का यही एक समय होता है जब अत्याधिक जीवों की उत्पत्ति की संभावना होती है। हमारा जैन धर्म जीवों के प्रति दया भाव की शिक्षा देता है, अतः हमें एक ही स्थान पर रह कर धर्म आराधना त्याग तपस्या करते हुए सम भावों को धारण करना होता है।

अध्यक्ष उत्तमकरण मेहता ने कहा कि आचार्यश्री की निश्रा में श्री संघ में अनेकों धार्मिक कार्यक्रम होने वाले है और सकल संघ के सदस्य अवश्य इनमे जुड़ने का प्रयास करे। इस अवसर पर आचार्यश्री के दर्शन हेतु बाहर गाँव से भी कई आराधक उपस्थित थे। अक्कीपेट संघ में इस चातुर्मास के दौरान सम्यग दर्शन तप सामूहिक रूप से कराया जाएगा। इस मौके पर उत्तमकरण मेहता, तेजराज कुहाड़, कांतिलाल मुथा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.